रीवा
15 सितम्बर 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पाकिस्तानी कोच...

@ पेज 7

जनगणना की मॉकड्रिल अटूबर से शुरू होगी,60 दिन चलेगी

पूरे देश का स्मार्ट मैप बनेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद जनगणना-2027 की शुरुआत से पहले पूरे तंत्र की जांच-परख के लिए 1 अक्टूबर से मॉकड्रिल शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि मॉक ड्रिल 60 दिन चलेगी। इस दौरान, जनगणना की तमाम गतिविधियां जांची जाएंगी। अनुभवों के आधार पर 6 महीने में खामियां दूर कर 1 अप्रैल 2026 से वास्तविक जनगणना शुरू की जाएगी। मॉकड्रिल में जनगणना कर्मी पूरी मशीनरी की टेस्टिंग और उस पर काम का अभ्यास करेंगे।

स्मार्ट मैप, हाउस लिस्टिंग के तरीके, डेटा कलेक्शन, रियल टाइम डेटा ट्रांसफर, घर-घर जाकर लोकेशन ट्रैकिंग, एप में हर घर की जियो पिन बनाना और उसके अक्षांश एवं देशांतर के जीपीएस बनाने की पड़ताल होगी।

हाउस लिस्टिंग में सबसे बड़ी जांच डिजिटल लेआउट मैपिंग की होगी। इसके तहत, मकानों और सभी प्रतिष्ठानों की जियो टैगिंग होगी। गणनाकर्मी घर पहुंचकर एप में लोकेशन ऑन करेंगे। उसे मैप पर पिन करेंगे। इस तरह मकान या प्रतिष्ठान की जियो टैगिंग हो जाएगी।

मैप पर हर घर 'डिजि डॉट' बनेगा, इसके 5 फायदे होंगे

1. आपदा में सटीक राहत जियो टैगिंग से बना डिजिटल लेआउट मैप बादल फटने, बाढ़ आने या भूकंप जैसी अनहोनी के समय उपयोगी साबित होगा। सुदूर हिमालयी क्षेत्र में बसे किसी गांव में बादल फटने जैसी घटना के समय इस मैप से तुरंत पता चल जाएगा कि किस घर में कितने लोग रहते हैं। होटलों में क्षमता के हिसाब से कितने लोग रहे होंगे। इस ब्योरे से बचाव के लिए जरूरी तमाम नौका, हेलीकॉप्टर, फूड पैकेट आदि की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी।
2. परिसीमन में मदद मिलेगी राजनीतिक सीमाएं जैसे संसदीय या विधानसभा क्षेत्रों का युक्तिसंगत तरीके से निर्धारण करने में भी इससे मदद मिलेगी। जियो टैगिंग से तैयार मैप से यह तस्वीर साफ हो जाएगी कि क्षेत्र में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र का संतुलित बंटवारा कैसे हो। समुदायों को ऐसे न बांट दिया जाए कि एक मोहल्ला एक क्षेत्र में और दूसरा मोहल्ला किसी अन्य क्षेत्र में शामिल हो जए। घरों के डिजि डॉट से डिलिमिटेशन की प्रक्रिया में आसानी होगी।
3. शहरी प्लानिंग में आसानी शहरों में सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों या पार्कों की प्लानिंग करने में भी यह मैप उपयोगी साबित होगा। अगर किसी जगह के घरों के डिजिटल लेआउट में बच्चों की अधिकता होगी तो पार्क और स्कूल प्राथमिकता से बनाने की योजना तैयार की जा सकेंगी।
4. शहरीकरण और पलायन दर का डेटा मिलेगा इस जनगणना के दस साल बाद होनी वाली जनगणना में डिजिटल मैप के परिवर्तन आसानी से दर्ज किए जा सकेंगे। देश के विभिन्न हिस्सों में शहरीकरण की दर और पलायन के क्षेत्रों की मैपिंग की तुलना सटीक ढंग से की जा सकेगी।
5. मतदाता सूची से डुप्लीकेट नाम हट जाएंगे आधार की पहचान के साथ जियो टैगिंग मतदाता सूची को सटीक और मजबूत बनाने में सहायक होगी।

पत्रकार सिद्दीकी कप्पन समेत 11 पर मामला दर्ज

विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक रास्ता रोकने का आरोप

कोच्चि,एजेंसी। केरल पुलिस ने पत्रकार सिद्दीकी कप्पन और 10 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि इन लोगों ने कोच्चि में हुए एक कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक रास्ते में रुकावट डाली और बिना अनुमति लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया। यह कार्यक्रम शनिवार शाम वांची स्क्वायर, केरल हाई कोर्ट जंक्शन के पास हुआ था।

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

जम्मू/दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिर से रोका गया। 19 दिन स्थगित रहने के बाद यात्रा रविवार से शुरू होनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते इसे अगले आदेश तक स्थगित किया गया। 26 अगस्त को मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी।

उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। बलिया में चक्की नौरंगा गांव में 5 मकान और 5 दुकानें नदी में समा गईं। इस मानसून सीजन राज्य में 654.2mm बारिश हुई जो औसत 679.3mm बारिश से 4त्न कम है।

मैं शिव भक्त, सारा जहर निगल लेता हूं कांग्रेस पर जमकर बरसे पीएम मोदी

विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

गुवाहाटी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के दरांग जिले के मंगलदोई में 6,300 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि देश के विकास में उत्तर पूर्वी राज्यों की अहम भूमिका है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान करने का भी आरोप लगाया।

विकसित भारत में उत्तर पूर्व की अहम भूमिका :दरांग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि पूरा देश आज विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। खासतौर पर हमारे जो नौजवान साथी हैं। उनके लिए विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी है। इस संकल्प की सिद्धि में हमारे नॉर्थ ईस्ट की बहुत बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी पूर्व की है, उत्तर पूर्व की है। उत्तर पूर्वी राज्यों के चमकने का समय आ गया है। किसी भी क्षेत्र के विकास में कनेक्टिविटी की अहम भूमिका होती है। हमारी सरकार उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए समर्पित है। सड़कें, रेलवे और हवाई मार्गों का विकास किया जा रहा है। इससे लोगों की जिंदगी बदल रही है और उज्जवल भविष्य की राह बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये कांग्रेस वाले मुझे कितनी ही गालियां दे, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। आप लोग मुझे बताएं, क्या भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित करने का मेरा फैसला सही है या गलत?

अवैध घुसपैठ को लेकर कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लिए अपने वोट बैंक का हित सबसे बड़ा है। कांग्रेस देशहित की कभी परवाह नहीं करती है। आज कांग्रेस देशविरोधियों और घुसपैठियों की भी रक्षक बन चुकी है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब वह घुसपैठ को बढ़ावा देती थी और आज कांग्रेस चाहती है कि घुसपैठिए हमेशा के लिए भारत में बस जाए और भारत का भविष्य घुसपैठिए तय करें।

हजारों करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात

प्रधानमंत्री मोदी ने दरांग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के साथ-साथ एक नर्सिंग कॉलेज और एक जीएनएम स्कूल के निर्माण का शुभारंभ किया। अधिकारियों ने बताया कि इन स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं में कुल मिलाकर 570 करोड़ रुपये का निवेश होगा। प्रधानमंत्री ने 1,200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली 2.9 किलोमीटर लंबे नरेंगी-कुरुवा पुल और असम के कामरूप और दरांग जिलों और मेघालय के री भोई को जोड़ने वाली 118.5 किलोमीटर लंबी गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना की भी आधारशिला रखी। रिंग रोड परियोजना की अनुमानित लागत 4,530 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री बाद में गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ रिफाइनरी में 5000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से नवनिर्मित बांस आधारित एथेनॉल संयंत्र और 7,230 करोड़ रुपये की लागत से पेट्रो फ्लूइडाइज्ड कैटेलिटिक क्रैकर इकाई का उद्घाटन करेंगे। इस तरह पीएम मोदी असम को कुल 18 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का तोहफा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार शाम असम पहुंचे थे और भारत रत्न से सम्मानित भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए।

राहुल गांधी आज पंजाब आएंगे,अमृतसर-गुरदासपुर में बाढ़ पीड़ितों से मिलेंगे

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित इलाकों का हाल जानने के लिए कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी कल यानी सोमवार को पंजाब पहुंच रहे हैं। राहुल गांधी का दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी सुबह 9:30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेंगे। एयरपोर्ट से सीधे वे रामदास क्षेत्र जाएंगे, जहां बाढ़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे।

रामदास में राहुल गांधी गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब जी में भी मत्था टेकेंगे और प्रार्थना करेंगे। गुरुद्वारा में वे सेवा कर रहे संगत से बातचीत करेंगे और पीड़ित परिवारों की परेशानियों को सुनेंगे। इसके साथ ही वे राहत कार्यों की समीक्षा करेंगे और स्थानीय प्रशासन व संगठनों से मिलकर राहत सामग्री व पुनर्वास कार्यों की स्थिति पर चर्चा करेंगे।

बाढ़ प्रभावितों से करेंगे मुलाकात-इसके बाद राहुल गांधी गुरदासपुर जाएंगे, जहां वे बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा करेंगे। वे स्थानीय लोगों से सीधे संवाद कर यह जानेंगे कि उन्हें किस प्रकार की मदद की सबसे ज्यादा जरूरत है। दौरे के बाद राहुल गांधी शाम तक दिल्ली लौट जाएंगे।

बता दें कि, पंजाब में पिछले दिनों आई बाढ़ ने हजारों परिवारों को प्रभावित किया है। खेत जलमग्न हो गए हैं, घरों में पानी भर गया था और लोगों का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। प्रशासन और सामाजिक संगठन राहत व बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। प्रभावित इलाकों में खाने-पीने का सामान, दवाइयां और अन्य जरूरी मदद पहुंचाई जा रही है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

विमान रनवे पर दौड़ रहा था, पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोका

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ एयरपोर्ट से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को पायलट ने टेकऑफ से पहले अचानक रोक दिया। फ्लाइट रनवे पर दौड़ चुकी थी, आखिरी वक्त पर पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए। बताया जा रहा है कि फ्लाइट के इंजन को टेकऑफ के लिए थ्रस्ट यानी प्रेशर नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में पायलट ने विमान को रोकने का फैसला किया। विमान (6-ई-2111) में सपा प्रमुख अखिलेश की सांसद पत्नी डिंपल यादव समेत 151 यात्री सवार थे। अचानक विमान रुकने से यात्री सहम गए। हालांकि, बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। उन्हें दूसरी फ्लाइट से दिल्ली भेजा गया।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने घटना की रिपोर्ट मांगी है।

गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएं बनीं प्रतिरोध की आवाज, हिंदी ने पूरे किए 76 गौरवशाली वर्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। हिन्दी दिवस पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और संस्कृति के पुनर्जागरण का एक स्वर्णिम कालखंड चल रहा है। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाएं तकनीक, विज्ञान, न्याय, शिक्षा और प्रशासन की धुरी बनें। मिलकर चलो, मिलकर सोचो, मिलकर बोलो, यही हमारी भाषाई सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है। डिजिटल इंडिया, ई-गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस युग में मोदी सरकार भारतीय भाषाओं को भविष्य के लिए सक्षम बना रही है।

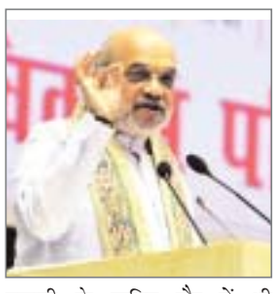

शाह ने अपने संदेश में कहा, गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएं प्रतिरोध की आवाज बनीं। आजादी के आंदोलन के राष्ट्रव्यापी बनने में हमारी भाषाओं की बड़ी भूमिका रही। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने जनपदों की भाषाओं में, ग्राम-देहात की भाषाओं को आजादी के आंदोलन से जोड़ा। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं के कवियों, साहित्यकारों और नाट्यकारों ने लोकभाषाओं में, लोककथाओं में, लोकगीतों और लोकनाटकों के माध्यम से हर आयु, वर्ग और समाज के भीतर स्वाधीनता के संकल्प को प्रबल बनाया। वन्दे मातरम् और जय हिंद जैसे नारे हमारी भाषाई चेतना से ही उपजे और स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान के प्रतीक बने।

सीएम ममता बनर्जी ने हिंदी दिवस की दी शुभकामनाएं, कहा- हम सभी भाषाओं के प्रति श्रद्धावान

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंदी दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने राज्य सरकार की तरफ से हिंदी समेत तमाम भाषाओं को लेकर किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा- आज हिंदी दिवस है। इस अवसर पर सभी हिंदी भाषी भाई-बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। प्रत्येक वर्ष हम श्रद्धा के साथ हिंदी दिवस मनाते हैं। हम सभी भाषाओं के प्रति श्रद्धावान हैं।

कांग्रेस का आरएसएस पर करारा हमला

कहा- केसरी में प्रकाशित लेख ने उजागर की ईसाई विरोधी सोच

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। कांग्रेस ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर ईसाइयों के खिलाफ नफरत फैलाने का आरोप लगाया। पार्टी का कहना है कि आरएसएस की मलयालम पत्रिका केसरी में प्रकाशित हालिया लेख संगठन की ईसाई विरोधी सोच को उजागर करता है।

कांग्रेस का आरोप- नफरत फैलाने की साजिश-एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि आरएसएस का मकसद समाज में नफरत फैलाना और ईसाई समुदाय को धर्मांतरण के नाम पर देश का दुश्मन दिखाना है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा इस लेख में व्यक्त विचारों को खारिज करने के लिए तैयार है। केसी वेणुगोपाल ने कहा, संघ परिवार का ईसाइयों के प्रति प्यार उतना ही नकली है, जितना रंगा हुआ लोमड़ी, जो चाहे जितना भी रंगा जाए, अपनी असल आवाज छुपा नहीं सकता।

दो ननों की गिरफ्तारी का जिक्र :कांग्रेस नेता ने हाल ही में छत्तीसगढ़ में केरल की दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी और रिहाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद जिन नेताओं ने ननों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, उनकी असलियत इस लेख से सामने आ गई है।

मदन दिलावर बोले- राहुल गांधी महिलाओं को किस करते हैं

डोटासरा चरित्रहीन गैंग के सरगना, भंवरी कांड करने वाले भी कांग्रेसी ही थे

जयपुर ,एजेंसी। राजस्थान विधानसभा में एक्स्ट्रा कैमरे लगाने के मामले में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आरोपों पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा-राहुल गांधी महिलाओं को किस करते हैं। डोटासरा चरित्रहीन गैंग के सरगना हैं। भंवरी कांड हो या अजमेर ब्लैकमेल कांड करने वाले भी कांग्रेसी ही थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पर महिलाओं की निजता भंग करने के गलत आरोप लगाए हैं। चरित्रहीन व्यक्ति ही इस तरह की बात कर सकता है।

कैमरे तो लोकसभा में भी लगे हुए हैं। विधानसभा की हां पक्ष और ना पक्ष लॉबी में भी लगे हुए हैं। यहां तक की कांग्रेस के कार्यालय में भी लगे हुए हैं। क्या गोविंद सिंह डोटासरा ने वहां कैमरे महिला विधायक और कार्यकर्ताओं के साथ अश्लील हरकत करने के लिए लगवाए हुए हैं। कोई महिला बाथरूम जाती है या कपड़े चेंज करती है। क्या उन्होंने यह सब देखने के लिए कैमरे लगवाए हैं।

यह लोग तो हलाला के भी पक्षधर :मदन दिलावर ने कहा-यह लोग तो हलाला के भी पक्षधर हैं। मुस्लिम महिला और पुरुष में अगर किसी तरह की अनबन हो जाती है।

कोलकाता- आरजी कर कॉलेज की स्टूडेंट की रहस्यमयी मौत

परिवार बोला- बॉयफ्रेंड ने जहर दिया; 2024 में यहीं ट्रेनी डॉटर का रेप-मर्डर हुआ था

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की फाइनल ईयर की एक स्टूडेंट की शनिवार को मालदा के एक अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्टूडेंट की पहचान अनिंदिता सोरेन (24) के रूप में हुई है।छात्रा के परिवार ने उसके बॉयफ्रेंड उज्जवल सोरेन पर हत्या का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा कि उज्जवल ने अनिंदिता को जहर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरजी कर कॉलेज पिछले साल तब चर्चा में रहा था, जब 9 अगस्त 2024 को एक ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

जानिए क्या है नया मामला साउथ दिनाजपुर के बालुरघाट निवासी अनिंदिता और उज्ज्वल का अफेयर था। उज्ज्वल से उसकी मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। फिर दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे। पीड़ित की मां अल्पना टुडू ने बताया कि उनकी बेटी उज्ज्वल से शादी का दबाव बना रही थी। इसलिए दोनों के बीच झगड़े होते रहते थे। उज्जवल हमेशा शादी से इनकार करता था। पुलिस के मुताबिक, युवती की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के पीछे की असली वजह पता चलेगी। उज्ज्वल के बयान के लिए उसकी तलाश की जा रही है। अब जानिए 2024 का मामला क्या था आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी।

दोषी संजय को उम्रकैद की सजा सुनाई

इस मामले में 18 जनवरी को कोर्ट ने संजय को दोषी करार दिया था और 20 जनवरी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। हालांकि ट्रेनी डॉक्टर की फैमिली केस की जांच से संतुष्ट नहीं हुए। उनका कहना था कि CBI ने असली कातिल को नहीं पकड़ा। अदालत ने 162 दिन बाद फैसला सुनाया था। CBI ने आरोपी संजय के लिए फांसी की मांग की है। वहीं, संजय की बड़ी बहन ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के इस फैसले को किसी भी अदालत में चुनौती देने की कोई योजना नहीं है।

एम्स में मरीजों और तीमारदारों को रास्ता दिखाने के लिए दिशा एप लॉन्च, इंटरनेट कनेक्शन न होने पर भी चलेगा

दिल्ली, एजेंसी। एम्स में उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को ओपीडी, लैब, फार्मेसी, सेंटर सहित दूसरे जगहों की खोज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए एम्स ने दिशा एप को तैयार किया गया। इसकी मदद से एम्स परिसर में एक जगह से दूसरी जगह जाने का रास्ता आसानी से खोजा जा सकेगा। दिलचस्प बात यह है कि इस स्वदेशी एप के इस्तेमाल के लिए इंटरनेट की भी जरूरत नहीं है। बेसमेंट पार्किंग से लेकर लिफ्ट में भी यह काम करेगी। इस इनडोर नेविगेशन मोबाइल ऐप को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लॉन्च किया। इसका इस्तेमाल अस्पताल के कर्मचारी और आगंतुक भी कर सकेंगे। यह पूरे अस्पताल परिसर के लिए काम करेगी। इसमें

अस्पताल के 2डी मैप से रास्तों को खोजा जा सकेगा। इसके लिए एआई आधारित रूट और ऑप्टिमाइजेशन का इस्तेमाल किया गया। कलेक्टर अदिति गर्ग ने बयान जारी कर कहा कि एयर बैलून में सुरक्षा के संबंध में किसी तरह की कोई चूक नहीं हुई है। मुख्यमंत्री जी केवल एयर बैलून को देखने के लिए गए थे। हॉट एयर बैलून, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, गर्म हवा का गुब्बारा होता है।

बैलून में हवा की रफ्तार जीरो होनी चाहिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाकांत शुक्ला ने बताया कि भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाना डोनाल्ड ट्रंप की दोषपूर्ण मानसिकता और विक्षिप्त सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन यह कदम दोनों देशों की मित्रता के खिलाफ है।

एम्स का मानना है कि अस्पताल परिसर बहुत बड़ा है। ऐसे में रास्तों को खोजने में मुश्किल होती है। मरीज समय पर निर्धारित जगह पहुंचे सके उसके लिए एप तैयार किया है। इससे उनका रास्ता खोजने के चक्कर में होने वाला तनाव कम होगा। किसी से पूछना नहीं पड़ेगा और खुद गंतव्य स्थल पर पहुंच सकेंगे। यह एप हिंदी और अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। गूगल प्ले स्टोर से एप को डाउनलोड किया जा सकता है।

एप पर विभागों के कार्य करने से लेकर उनके बंद होने के समय की जानकारी भी उपलब्ध होगी। लाइव हीटमैप के माध्यम से भीड़ प्रबंधन के बारे में भी जानकारी जुटा सकेंगे। एम्स निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास ने कहा कि एम्स दिशा की अवधारणा मरीज केंद्रित सेवाओं के लिए अगली पीढ़ी की एआई और आईओटी तकनीकों का लाभ उठाने के हमारे दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। एम्स मीडिया सेल प्रमुख डॉ. रीमा दादा ने कहा कि एम्स में 56 विभाग हैं। इस ऐप की मदद से मरीज आसानी से एक सेंटर से दूसरे सेंटर में पहुंच सकेंगे।

गाजियाबाद में तालाब और जलाशय पर अतिक्रमण को लेकर एनजीटी सख्त, जिला प्रशासन-यूपी सरकार को नोटिस

दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने गाजियाबाद में तालाबों और जलाशयों पर हो रहे अतिक्रमण के मामले में सख्त रुख अपनाया है। ऐसे में अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन को नोटिस जारी किया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेष सदस्य ईश्वर सिंह ने सभी प्रतिवादियों को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, अधिकारियों को बिना वकील के जवाब देने पर वर्चुअल सुनवाई में उपस्थित होने को कहा गया। अगली सुनवाई 7 अक्तूबर को होगी।याचिकाकर्ता सुशील राघव ने शिकायत की थी कि एनजीटी के 17 मार्च, 2021 के आदेश का पालन नहीं हुआ, जिसमें मुख्य सचिव और जिला प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, नियमित बैठकें करने और प्रगति की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए थे।इसके अलावा, लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को भी कहा गया था। राघव का कहना है कि प्रशासन ने इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए। ऐसे में गाजियाबाद के जिलाधिकारी के अनुसार, जिले के 1075 तालाबों में से 231 पर अभी भी अवैध कब्जा है।

57 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर कब्जा : गाजियाबाद के जिलाधिकारी की 28 अप्रैल 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, जिले के तालाबों की कुल जमीन 525.18 हेक्टेयर है, जिसमें से 57.04 हेक्टेयर पर अतिक्रमण है।

क्षेत्रवार स्थिति इस प्रकार है: तहसील सदरः 217 तालाब, 29 पर कब्जा तहसील मोदीनगरः 579 तालाब, 120 पर कब्जा तहसील लोनीः 139 तालाब, 38 पर कब्जा नगर निगम गाजियाबादः 140 तालाब, 44 पर कब्जा

दिवाली पर पटाखों के बैन पर पर्यावरण मंत्री ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने दिवाली पर पटाखों के बैन को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा सिर्फ दिल्ली में पटाखों पर रोक लगाना दिल्लीवासियों के त्योहार मनाने के अधिकार को सीमित कर देगा। दिल्लीवासी जागरूक हैं, वे जानते हैं कि खुद और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए क्या सही है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को ऐसा संतुलित तरीका निकालना चाहिए जिससे त्योहार का मजा भी रहे और पर्यावरण सुरक्षित हो। पर्यावरण मंत्री ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि कोई संतुलित उपाय निकाला जाए, जिससे लोग त्योहार का आनंद ले सकें और पर्यावरण की रक्षा भी हो। उनका ये बयान सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, स्टोरेज, परिवहन और निर्माण पर पूरी तरह बैन के आदेश को बदलने की मांग वाली याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई में कहा है कि अगर पटाखों पर बैन लगाना है, तो पूरे देश में लगना चाहिए। साफ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं होना चाहिए। प्रदूषण पूरे देश की समस्या है।

सात वर्षों तक गैरहाजिरी के बाद, घरेलू हिंसा का मामला खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। तीस हजारी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा, महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा से सुरक्षा कानून पति को परेशान करने का औजार नहीं है और इसे दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रुति शर्मा ने वर्ष 2018 में दर्ज एक मामले को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। वर्ष 2017 में विवाह करने वाली महिला ने अपने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया था। महिला उसी वर्ष कनाडा चली गई और बाद में वहां की नागरिकता प्राप्त कर ली। दोनों का तलाक भी हो गया। ऐसे में अदालत ने पाया कि महिला को कई अवसर दिए जाने के बावजूद भी वह सात वर्ष तक अपने मामले में पेश नहीं हुई। प्रतिवादी की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता महिला अदालत का समय बर्बाद कर रही थी और विदेश में आराम से जीवन व्यतीत कर रही थी। कोर्ट ने इसे सुविधा अनुसार उत्पीड़न बताया। अदालत ने महिला को लग्जरी लिटिगेंट (विलासिता वादी) कहते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी।

जेल में मुलाकात नहीं करने से बदमाश ने दोस्त को चाकू से गोदा

नई दिल्ली, एजेंसी । जहांगीरपुरी इलाके में जेल में रहने के दौरान नहीं मिलने से गुस्साए बदमाश ने अपने दोस्त को चाकू से गोद दिया। बदमाश ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। घायल राजू लोकनायक अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक स्वरूप नगर एक्सटेंशन निवासी राजू पेशे से टैक्सी चालक है। जहांगीरपुरी थाने में दर्ज प्राथमिकी में राजू ने बताया कि 2 सितंबर को वह कार से अपनी बहन से मिलने जहांगीरपुरी गया था।

दिल्ली पुलिस को मिली कामयाबी, 10 दिन में अवैध हथियारों की दूसरी फैक्टरी पकड़ी; पुलिस ने एक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी जिले के सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने 10 दिनों के भीतर मथुरा में चल रही अवैध हथियार बनाने की दूसरी बड़ी फैक्टरी पकड़ी है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी गांव अरनोदा गढ़ी, मथुरा निवासी शिव चरण को गिरफ्तार किया है। फैक्टरी से 14 तमंचे, बंदूक, 350 तमंचे के पुर्जे और भारी मात्रा में मशीनें बरामद की हैं। आरोपी पिछले कई साल से अपने पार्टनर हनवीर उर्फ हन्नू के साथ मिलकर फैक्टरी चला रहा था। करीब एक साल पहले हनवीर ने अलीगढ़ में अपनी दूसरी फैक्टरी बना ली थी।

शिव चरण की फैक्टरी से बनकर बिक रहे अवैध हथियार के मुनाफे में हनवीर का आधा हिस्सा होता था। पुलिस की टीम ने 5 से 8 फुट गहरे पानी को करीब तीन किलोमीटर तक पार कर फैक्टरी तक पहुंची थी। उत्तरी जिला के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि एक सितंबर को अलीगढ़ के जट्टारी पिशावा रोड पर अवैध हथियार की फैक्टरी पकड़ी गई थी। हनवीर उर्फ हन्नू को गिरफ्तार किया गया था। दरअसल दिल्ली के सराय रोहिल्ला में नाबालिग के फायरिंग करने के मामले की कड़ियां जोड़ती हुई टीम अलीगढ़ पहुंची थी। मथुरा की फैक्टरी से दोनों ने कई हजार हथियार बेचे थे। आरोपी पांच से छह हजार में एक तमंचा बेचते थे।

पाले हुए थे दो खुंखार कुत्ते : ग्रामीणों ने पुलिस को बताया है कि शिवचरण जंगल में अपने साथियों के साथ मिलकर क्या करता था, यह किसी को नहीं पता। उसने फैक्टरी में दो खूंखार कुत्ते पाले हुए थे। वह खुले रहते थे। ऐसे में कोई भी ग्रामीण व अन्य उसकी फैक्टरी के आसपास जाने का भी साहस नहीं जुटा पाता था।जहां से वापस आने के दौरान गैस गोदाम के पास जहांगीरपुरी निवासी मोनू शर्मा मिला। करीब सात साल पहले नारायणा थाने के एक मामले में पुलिस ने दोनों को एक साथ गिरफ्तार किया था। मोनू सात साल बाद जेल से कुछ माह पहले ही रिहा हुआ है।

नेपाल के राष्ट्रपति ने की संविधान और संसदीय प्रणाली बचाने की अपील

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने देश के संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाने की अपील की है।राष्ट्रपति पौडेल ने शनिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि देश का संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। संसद विघटन के फैसले पर अधिकांश राजनीतिक दलों के द्वारा इस फैसले के विरोध में लगातार बयानबाजी करने और राष्ट्रपति की आलोचना करने के कारण शनिवार को राष्ट्रपति ने अपने फैसले का बचाव करते हुए अपील जारी की है। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि देश जिस विषम परिस्थिति से गुजर रहा है ऐसे में संविधान को बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता थी। उन्होंने कहा है कि संविधान बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि देश बहुत ही असहज, विषम और भयपूर्ण परिस्थिति से गुजर रहा है। ऐसे में संविधान के साथ ही संसदीय प्रणाली को बचाने के लिए यह कदम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बहुत ही चतुराई के साथ संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाया जा सका है इसलिए सभी राजनीतिक दलों को यह चाहिए कि वो बाकी बातों को भूला कर सरकार द्वारा घोषित दिन में चुनाव संपन्न करने में सहयोग करना चाहिए। राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने कहा है कि छह महीने के भीतर चुनाव की सुनिश्चितता करते हुए यह फैसला लिया गया है। उनका कहना है कि समय पर चुनाव संपन्न करते हुए हमारे लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री पर एनएसयूआई का आरोप, डीयू प्रशासन द्वारा उम्मीदवारों पर दबाव का संकेत

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव को लेकर नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर आरोप लगाया है। वरुण के मुताबिक दिल्ली की मुख्यमंत्री के इशारे पर दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन एनएसयूआई के उम्मीदवारों को परेशान कर रहा है। उनकी उम्मीदवारी रद्द करने की धमकी दी जा रही है। पूछताछ के नाम पर उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार राहुल झांसला को तीन घंटे तक रोका गया। नामांकन के बाद उम्मीदवारों को केवल चार दिन का समय प्रचार-प्रसार के लिए मिलता है।

मगर, प्रशासन जानबूझकर उम्मीदवारों को छात्रों तक पहुंचने से रोक रहा है। जबकि एबीवीपी के उम्मीदवार प्रतिबंध के बावजूद प्रिंटेड सामग्री बांट रहे हैं। एनएसूयआई उम्मीदवारों को नोटिस और धमकियां दी जा रही हैं। छात्रों से अपील है कि वह अपने वोट से इस अन्याय का जवाब दें। साथ ही न्यायालय से आग्रह है कि इस अन्यायपूर्ण प्रथा को तुरंत रोका जाएं।

एनएसयूआई पर प्रचार के लिए प्रिंटेड पर्चे बांटने का आरोप : एबीवीपी ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एनएसयूआई पर प्रचार के लिए प्रतिबंधित प्रिंटेड सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया है। एबीवीपी से डूसू चुनाव में उपाध्यक्ष पद के

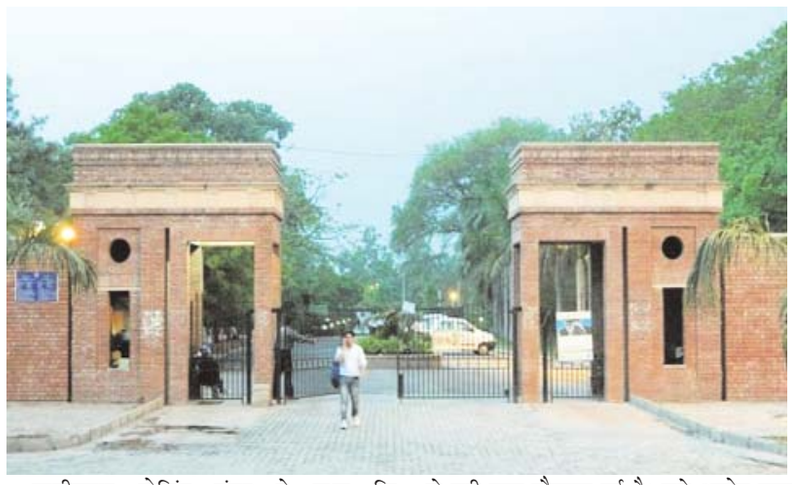

उम्मीदवार गोविंद तंवर ने कहा कि एनएसयूआई के उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार ने प्रिंटेड पर्चे बांटे और छात्रसंघ चुनाव के लिए बने नियमों का मखौल उड़ाया। प्रशासन ने जब इस पर उनसे जवाब मांगा तो वह अनर्गल आरोप लगा रहे हैं।

गोविंद तंवर ने कहा कि एनएसयूआई उपाध्यक्ष उम्मीदवार के खिलाफ नियम विरुद्ध प्रिंटेड पर्चे बांटने का विरोध छात्रों के बीच करूंगा। प्रशासन के समक्ष साक्ष्य रखूंगा और न्यायालय जाऊंगा। झूठ और नफरत की राजनीति को छात्रों पर थोपने की कोशिश करने वाली एनएसयूआई संभावित हार के डर से बुरी तरह बौखला गई है। झूठे आरोप लगा अपना दामन साफ करना चाहती है। जो भी नियम विरुद्ध काम करेगा उसके ऊपर कार्रवाई होनी चाहिए। 4 सितंबर को उसने व्हाट्सएप कॉल कर उसे मिलने के लिए बुलाया। गैस गोदाम के पास मोनू अपने दो दोस्तों के साथ मौजूद था। राजू के मुताबिक बातचीत के दौरान मोनू ने कहा कि वह सात साल जेल में रहा, लेकिन वह मिलने भी नहीं आया। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। उसके बाद मोनू ने राजू पर चाकू से हमला कर दिया। दोस्तों ने भी राजू की पिटाई कर दी और उसके पेट कमर और हाथ पर चाकू से हमला कर दिया।

सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री का कार्यभार संभाला, हिंसक घटनाओं की होगी जांच

देश में किसी तरह की उद्दंडता को किसी भी हालत में जायज नहीं ठहराया जा सकता

काठमांडू, एजेंसी। सुशीला कार्की ने रविवार को नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री का कार्यभार संभाल लिया है। इसके बाद उन्होंने 9 सितंबर को काठमांडू सहित देश भर में हुई आगजनी, हत्या, हिंसा और लूटपाट की घटनाओं की न्यायिक जांच कराने की बात कही है। उन्होंने देश के नाम संबोधन में कहा कि देश में किसी तरह की उद्दंडता को किसी भी हालत में जायज नहीं ठहराया जा सकता है। सिंह दरबार में आज अपना कार्यभार संभालने के बाद अंतरिम प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि जेन जी प्रदर्शन के दौरान 9 सितंबर को काठमांडू सहित देशभर में सरकारी तथा निजी

संपत्तियों पर हमले, आगजनी, लूटपाट की घटना एक षडयंत्र है। देश के नाम संबोधन में उन्होंने कहा कि जिस तरह से लक्ष्य की पहचान करके लोगों की संपत्तियों को जलाया गया है, यह युवा प्रदर्शनकारियों का काम नहीं है। सुशीला कार्की ने कहा कि कई समूहों की पहचान की गई है, जो इस पूरी हत्या, हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाओं में शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस पूरी घटना की न्यायिक जांच कराई जाएगी। कार्की ने कहा कि इस तरह की उद्दंडता को किसी भी हालत में जायज नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों के निजी घरों, दुकानों, होटलों और फैक्ट्रियों में आगजनी और लूटपाट की घटनाओं से आम लोगों के जनजीवन पर बहुत ही बुरा असर हुआ है। कार्की ने कहा कि देश की आर्थिक अवस्था पहले ही बहुत खराब स्थिति से गुजर रही थी, उसी बीच इस तरह की घटनाओं के कारण आर्थिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि नेपाली नागरिक स्वयं ही मिल कर इस सदमे से ऊपर उठने में सक्षम हैं। कार्की ने उद्योग जगत की प्रशंसा परिस्थिति में उनकी दिखाई गई हिम्मत काबिल-ए-तारीफ है।

पोलैंड में रूसी ड्रोन घुसपैठ अस्वीकार्य, अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को कहा कि इस हफ़्ते पोलैंड की हवाई सीमा में रूसी ड्रोन का प्रवेश अस्वीकार्य है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि रूस ने जानबूझकर पोलैंड को निशाना बनाया या नहीं। नाटो ने 12 सितम्बर को यूरोप की पूर्वी सीमा की सुरक्षा और मज़बूत करने की योजना का ऐलान किया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब पोलैंड ने अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन करने वाले ड्रोन को मार गिराया – जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी गठबंधन की ओर से लिया गया पहला ऐसा सैन्य एक्शन है। रूबियो ने पत्रकारों से कहा, यह बेहद खतरनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इसमें कोई शक नहीं कि ड्रोन रूस से जानबूझकर छोड़े गए थे। सवाल यह है कि क्या उन्हें पोलैंड की सीमा में घुसाने का इरादा था। उन्होंने आगे कहा कि यदि सबूत साबित करते हैं कि ड्रोन का निशाना पोलैंड ही था, तो यह स्थिति बेहद गंभीर और उकसाने वाली होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों से परामर्श कर तथ्यों की पुष्टि के बाद ही कोई ठोस निर्णय लेगा। पोलैंड ने 12 सितम्बर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस सुझाव को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह घुसपैठ संभवतः एक गलती हो सकती है। पोलैंड के विदेश मंत्री ने रॉयटर्स से कहा कि वारसॉ को उम्मीद है कि वॉशिंगटन उसके साथ एकजुटता दिखाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। नाओं को चिंताजनक बताया और नाटो क्षेत्र के हर इंच की रक्षा करने का संकल्प दोहराया।

कनाडा में आव्रजन विरोधी रैली के दौरान जमकर बवाल, टोरंटो पुलिस ने 10 लोगों को किया गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर में शनिवार दोपहर एक आव्रजन विरोधी रैली और उसके जवाब में हुए बड़े विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान टोरंटो पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना शहर के क्रिस्टी पिट्स पार्क इलाके में हुई।

पहली गिरफ्तारी और रैली की शुरुआत : एक स्थानीय समाचार एजेंसी के मुताबिक, सबसे पहली गिरफ्तारी दोपहर 12:40 बजे (स्थानीय समय) के आसपास ब्लूर स्ट्रीट वेस्ट और क्रिस्टी स्ट्रीट के पास हुई, जहां एक व्यक्ति पर हमले का आरोप लगा। इसके बाद दिन भर में कुल 10 गिरफ्तारियां की गईं। यह रैली कनाडा फर्स्ट पैट्रियट रैली के नाम से आयोजित की गई थी। आयोजकों का दावा था कि यह रैली सामूहिक आप्रवासन यानी बड़े पैमाने पर हो रहे आव्रजन के खिलाफ और कनाडाई मूल्यों की रक्षा के लिए की जा रही है। रैली के आयोजक जो एनीडजार ने रेडियो-कनाडा को बताया, हमारा मकसद है कि कनाडाई नागरिकों को प्राथमिकता दी जाए, देश को पहले रखा जाए। बड़े पैमाने पर हो रहा आव्रजन हमारे राष्ट्रीय संसाधनों पर दबाव डाल रहा है।

विरोध-प्रदर्शन में सैकड़ों लोग जुटे : इस रैली का विरोध करने के लिए सैकड़ों लोग उसी पार्क में इकट्ठा हुए। ये लोग आप्रवासियों और हाशिए पर रह रहे समुदायों के समर्थन में आए थे। ओंटारियो फेडरेशन ऑफ लेबर ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि क्रिस्टी पिट्स पार्क लंबे समय से फासीवाद विरोधी आंदोलनों का केंद्र रहा है। यह पार्क प्रवासी समुदायों, आदिवासियों, एलजीबीटीक्यू+ समूहों, हिंसा के पीड़ितों, बेघर लोगों, कलाकारों और छात्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण जगह है।

नए लोगों को दोष देना गलत- डिना लैड : वर्कर्स एक्शन सेंटर की कार्यकारी निदेशक डिना लैड ने आव्रजन विरोधी सोच की निंदा की। उन्होंने कहा कि नए आने वाले लोगों को मकान की कमी, खाने की असुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याओं के लिए दोषी ठहराना गलत है। डिना लैड ने कहा, सच्चाई यह है कि यह समस्याएं अप्रवासियों की वजह से नहीं हैं। हमें सस्ती आवास सुविधाएं नहीं मिल रहीं, फूड बैंक में पर्याप्त खाना नहीं है और हेल्थ सर्विसेज में दिक्कतें हैं। इसके लिए प्रवासी समुदायों को दोषी ठहराना बिल्कुल गलत है।

सड़कों को बंद किया गया, फिर खोला गया : प्रदर्शनों के चलते पुलिस ने अस्थायी रूप से ब्लूर स्ट्रीट वेस्ट के कुछ हिस्सों को बंद कर दिया। इसके अलावा बे स्ट्रीट, यॉन्ग स्ट्रीट और वेल्सले स्ट्रीट के आसपास ट्रैफिक पर असर पड़ा। शाम तक सभी सड़कें फिर से खोल दी गईं जब प्रदर्शनकारी सैंकोफा स्क्वायर की ओर बढ़े।

इस पूरे घटनाक्रम से पहले ही कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सप्ताह की शुरुआत में इमिग्रेशन नीति पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि मौजूदा स्तर असहनीय हैं

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में हिंदी पखवाड़े का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्राचार्य पी एम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट डॉ डी के त्रिपाठी ने बताया कि 14 सितंबर हिंदी दिवस विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया। आज विद्यालय में हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह था। 14 सितम्बर से 28 सितम्बर तक हिंदी पखवाड़ा चलेगा जिसमें पंद्रह दिनों तक भाषण, सुलेखन, पत्र लेखन, निबंध लेखन इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने बताया कि उद्घाटन के अवसर पर सभी विद्यार्थियों के साथ उप प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी, विद्युत कुमार, अजीत कुमार पांडेय, राजेंद्र प्रसाद पटेल, हेमचंद, राज प्रकाश यादव, संदीप, संकल्प सिंह, हरदीप, एस के तिवारी, मंगलेश कुमार, माधुरी वर्मा, ऋषभ तिवारी, कु सौम्या जैन, सावन भगत, धीरेन्द्र मिश्रा, ममता पांडेय, बविता, झरियारी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस के अवसर पर रावेंद्र, राधिका, दिव्यांशु, इशान, आरुषी, वेदांत, दीपक हरिओम, रामू इत्यादि छात्रों ने भाषण और शानदार कविताओं की प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने भारतेंदु हरिश्चंद्र की तस्वीर पर फूल माला अर्पित करके भारतेंदु हरिश्चंद्र के हिन्दी के प्रति समर्पण और उनके योगदान तथा हिंदी के महत्व को बताया। सुधीर सरोज द्वारा हिंदी दिवस पर कविता पाठ की सुंदर प्रस्तुति दी गई। राज प्रकाश यादव ने हिंदी भाषा की महत्ता को बताया और मंच संचालन किया। हेमचंद ने कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन किया। विद्यालय में हिंदी दिवस छात्रों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों की गरिमामई उपस्थिति में मनाया गया।

यातायात पुलिस ने 7 बल्कर वाहन जब्त किए, रोक के बावजूद शहर के बीचों-बीच से गुजर रहे थे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। विंध्यनगर सड़क मार्ग पर फ्लाई ऐश का परिवहन प्रतिबंधित है। यातायात पुलिस ने इस नियम का उल्लंघन करने वाले 7 बल्कर वाहनों को जब्त किया है। यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने विंध्यनगर मार्ग पर कोयला और फ्लाई ऐश के परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। कुछ ट्रांसपोर्ट संचालक चोरी-छिपे इस मार्ग से फ्लाई ऐश का परिवहन कर रहे थे। पकड़े गए वाहनों पर जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है।

थाना प्रभारी ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंधात्मक आदेशों का पालन हर हाल में करना होगा। शहर के मध्य से गुजरने वाले इस मार्ग को नो फ्लाई ऐश ट्रांसपोर्ट जोन घोषित किया गया है। फ्लाई ऐश के परिवहन से शहर में प्रदूषण फैलता है। भारी वाहनों के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। प्रशासन ने इन भारी वाहनों को जयंत होते हुए गोरबी सड़क मार्ग से परिवहन करने की अनुमति दी है।

डीजल चोरी के दो आरोपियों को पेड़ से बांधकर पीटा

पुलिस ने दर्ज किया केस, टीआई बोले-मामले की जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के निगाही बैरियर पर डीजल चोरी का एक मामला सामने आया है। दरअसल, ट्रक ड्राइवरों ने दो लोगों को चोरी के आरोप में पकड़कर पीटा और रातभर पेड़ से बांधकर रखा। आरोपियों की पहचान अंबिकेश उर्फ माफिया और संजय सिंह के रूप में हुई है। जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहारन ने बताया कि घटना बीती रात की है। ट्रक ड्राइवरों ने सुबह पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों का मेडिकल टेस्ट करवाया। उनके शरीर पर मारपीट के निशान मिले हैं। इसके आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है।

ट्रकों से बैटरी और डीजल चोरी करने का भी आरोप: स्थानीय निवासियों ने बताया कि दोनों आरोपी पहले भी ट्रकों से बैटरी और डीजल चोरी कर चुके हैं। बीती रात भी वे ट्रकों से डीजल और बैटरी चुराते हुए पकड़े गए। अंबिकेश उर्फ माफिया को डीजल चोरी के आरोप में पहले भी जेल हो चुकी है। हालांकि, ट्रक ड्राइवरों की ओर से अभी तक चोरी की कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। सिंगरौली जिला डीजल चोरी, कोयला चोरी और कबाड़ चोरी के मामलों में पहले से ही चर्चित रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नए दौर में विकास की नई इबारत लिखने के लिए त्योंथर तैयार : सिद्धार्थ

सीएम के आगमन को लेकर भाजपा संगठन ने तैयार किया प्लान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने त्योंथर विधानसभा के चाकघाट बघेड़ी मंडी प्रांगण में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा रायपुर मंडल के भाजपा पदाधिकारी,कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ जनो एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक मैं उपस्थित होकर तैयारी समीक्षा को लेकर विचार विमर्श किया। माननीय मुख्यमंत्री जी के आगमन को लेकर आयोजित सभा स्थल में अधिक से अधिक संख्या में जनमानस के आगमन को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई ।

इस दौरान विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के स्वागत को लेकर आप कार्यकर्ताओं का जोश, समर्पण और उत्साह देखकर मन अभिभूत हो गया।

उन्होंने कहा यह अटूट निष्ठा, परिश्रम और संगठन की शक्ति हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। आप सभी कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता ने इस विश्वास को और मजबूत कर दिया है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का स्वागत त्योथर विधानसभा क्षेत्र की धरती पर ऐतिहासिक होगा ।

उन्होंने कहा कि घर घर जा कर लोगों को आमंत्रित करने का दायित्व मंडल पदअधिकारी, मंडल कार्यसमिति सदस्य, समस्त मोर्चा प्रकोष्ठ, शक्ति केन्द्र के पंच परमेश्वर एवं बूथ त्रिदेवों की रहेगी।

विधायक सिद्धार्थ राज तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के आगमन से नए दौर में विकास की नई इबारत लिखने के लिए त्योंथर क्षेत्र तैयार है।

वन विभाग की टीम से सर्च वारंट छीनकर फाड़ा, अवैध लकड़ी जब्ती के दौरान आरोपी और परिवार ने किया विवाद; मौके से फरार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में वन विभाग की टीम को अवैध लकड़ी जब्ती के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा। जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में वन विभाग को अवैध लकड़ी के संग्रहण की सूचना मिली थी। इस पर जयसिंह नगर और गोदवाल वन परिक्षेत्र के अधिकारियों की टीम बनाई गई। टीम ने सुरेंद्र यादव की बाड़ी में छिपाकर रखी गई इमारती लकड़ियां पाईं। यादव ने अपने पक्के मकान में भी लकड़ियां छिपाई थीं। टीम ने जब घर की तलाशी लेने की कोशिश की तो आरोपी ने सर्च वारंट मांगा। बीट गार्ड सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि सर्च वारंट दिखाते ही सुरेंद्र यादव ने उसे फाड़ दिया। यादव के घर में मौजूद अन्य लोगों और महिलाओं ने टीम से अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने टीम के साथ गाली-गलौज भी की। वन विभाग ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सभी आरोपी अभी फरार हैं।

शासकीय कार्य में बाधा डालने का केस दर्ज: थाना प्रभारी जयसिंह नगर अजय कुमार बैगा ने बताया कि वन विभाग की टीम के साथ शासकीय कार्य में बाधा, गाली गलौज कर शासकीय दस्तावेज को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। बीट गार्ड की शिकायत पर आरोपी सुरेंद्र यादव, नरेंद्र यादव, बाबूलाल और दो अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी अभी फरार हैं, जल्द उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन, कई प्रकार के मामलों का निगम में हुआ निपटारा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं म.प्र. शासन नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के निर्देशानुसार 13 सितंबर 2025 को नगर निगम कार्यालय एवं सभी जोन कार्यालयों में नेशनल लोक अदालत शिविर आयोजित की गई। नगर पालिक निगम कार्यालय में शिविर का शुभारंभ निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर संपत्तिकर, जलकर, प्रीमियम, किराया, उपभोक्ता प्रभार आदि प्रकरणों में नगर पालिक निगम रीवा के मद में कुल 3 करोड़ 76 लाख रुपये जमा कराए गए। इसमें संपत्तिकर 3 करोड़ 7 लाख, जलकर 35 लाख 4 हजार और किराया 34 लाख रुपये शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित नेशनल लोक अदालतों के अंतर्गत, विभागीय आदेश के अनुसार, संपत्तिकर, जलकर, उपभोक्ता प्रभार एवं अन्य करों के अधिभार (सरचार्ज) पर 2024-25 तक छूट प्रदान की गई है। नागरिकों को इस छूट का लाभ प्रदान करने हेतु राज्य शासन ने 13 सितंबर 2025 के लिए विशेष छूट की घोषणा की थी। मध्यप्रदेश शासन नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग द्वारा बकाया राशि के अधिभार पर 25 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की छूट नेशनल लोक अदालत में देने के निर्देश दिए गए थे। इस अवसर पर शहर के बकायादारों ने अपनी सहभागिता निभाते हुए बकाया राशि जमा कराकर छूट का लाभ उठाया।

निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने कहा कि शहरवासियों की सहभागिता सराहनीय है। उन्होंने अपनी बकाया राशि का भुगतान कर न केवल छूट का लाभ उठाया, बल्कि शहर के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिविर में उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्दीकी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, सहायक राजस्व अधिकारी रावेन्द्र सिंह, नीलेश चतुर्वेदी एवं राजस्व निरीक्षक रवि प्रकाश मिश्रा और वार्ड प्रभारियों का योगदान भी सराहनीय रहा।

छोटे भाई ने रॉड से बड़े भाई पर किया हमला, सीधी जिला अस्पताल में भर्ती; जमीनी विवाद में भाई-भाई की हिंसक झड़प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम गेदुरा में रविवार दोपहर भाई-भाई के बीच जमीनी विवाद हिंसक रूप ले लिया। हीरालाल साकेत ने अपने बड़े भाई रामलखन साकेत पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। रामलखन के सिर पर वार से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर्स के अनुसार उनकी स्थिति गंभीर है।

घर बनाने को लेकर था विवाद: घायल रामलखन ने बताया कि यह विवाद पिछले दो साल से चल रहा है। जमीन पर घर बनाने को लेकर वह छोटे भाई को रोकते आ रहे थे। इसी कारण दोनों के बीच तनाव बना हुआ था। घटना दोपहर करीब 2 बजे की है। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य और ग्रामीण मौजूद थे। रामलखन की पत्नी की हालत भी बिगड़ गई और गांव में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। सेमरिया थाना प्रभारी केदार परौहा ने कहा कि अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलते ही जांच शुरू कर दोषी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को भी कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

दो नाबालिग बहनों से रेप के आरोपी गिरफ्तार, बाइक रोककर तीनों आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया; मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। दो नाबालिग चचेरी बहनों के साथ तीन युवकों ने सामूहिक रेप किया था। पुलिस ने शनिवार रात तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना शुक्रवार रात 11:30 बजे की है। थाना प्रभारी मोहम्मद समीर के अनुसार, दोनों आदिवासी किशोरियां अपने जीजा के साथ मोटरसाइकिल पर मौसी के घर जा रही थीं। गिधेर गांव के पास एक सुनसान जगह पर तीन युवकों ने उनकी बाइक रोक ली।

जीजा से मारपीट कर घटना को दिया अंजाम: आरोपियों ने पहले जीजा के साथ मारपीट की। फिर दोनों लड़कियों को जबरन सड़क से दूर ले गए। तीनों ने बारी-बारी से दोनों लड़कियों के साथ रेप किया। इसके बाद लड़कियों से मारपीट कर उनका मोबाइल छीन कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने रात 12:30 बजे पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत पीड़िताओं को अस्पताल भिजवाया। शनिवार शाम को लड़कियों की स्थिति में सुधार होने पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला स्तरीय मोगली क्विज प्रतियोगिता में दोनो वर्गों में सिहावल ब्लॉक विजेता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विद्यार्थियों में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति लगाव व्यक्त करने के लिए जिला स्तरीय मोगली प्रतियोगिता का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के विवेकानंद सभागार में शनिवार 13 सितंबर को संपन्न हुआ। इस क्विज प्रतियोगिता में सीधी जिले के पांच विकासखंडों से लगभग 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन वरिष्ठ वर्ग और कनिष्क वर्ग से किया गया। वरिष्ठ वर्ग में सिहावल ब्लॉक से उत्कृष्ट विद्यालय सिहावल और काशी विद्यालय अमिलिया के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि कनिष्क वर्ग में सिहावल ब्लॉक से ही काशी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमिलिया के छात्रों ही प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों ही वर्गों के प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी राज्य स्तरीय मोगली क्विज प्रतियोगिता के लिए पेंच राष्ट्रीय अभ्यारण सिवनी के लिए दिनांक 25 अक्टूबर को रवाना होंगे। जहां पर 27 से 29 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आज की इस क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के पर्यावरण संरक्षण को बचाने वाले प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों को सवाल जिला क्विज मास्टर वीरेंद्र सिंह बघेल द्वारा पूछे गए जिसका उन्होंने बड़े- बेवाकी से जवाब दिया। इस दौरान राज्य स्तरीय विजेता प्रतिभागियों को ट्राफी तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता के अंत में स्कूल शिक्षा विभाग के जिले के सहायक संचालक ओशो उत्सव तथा संयोजक प्राचार्य शंभू नाथ त्रिपाठी के द्वारा विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। अपने अतिथि उद्बोधन में छात्रों को संबोधित करते हुए सहायक संचालक ओशो उत्सव ने सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी को अपने प्रकृति से प्रेम करना चाहिए तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सदा प्रयासरत रहना चाहिए। इस अवसर पर प्रतियोगिता के संयोजक प्राचार्य शंभू नाथ त्रिपाठी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लगातार इस प्रतियोगिता के जीतने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए और निराश नहीं होना चाहिए। अंतिम परिणामों में वरिष्ठ वर्ग और कनिष्ठ वर्ग दोनो विधाओं में सिहावल, मझौली और कुसमी क्रमशः प्रथम द्वतीय और तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन जिला मास्टर ट्रेनर राकेश रतन पांडे ने किया जबकि संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन जिला क्विज मास्टर वीरेंद्र सिंह बघेल (प्राचार्य) शासकीय हाई अमेढीया द्वारा किया गया।

शहर में खुलेआम हुई चाकूबाजी, पड़ोस में रहने वाले युवक पर दोस्त ने किए 4 वार; दो आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। सोहागपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। घटना में 18 वर्षीय प्रदीप रजक घायल हो गया। वह अपने दोस्त के साथ घर के सामने बैठा था। इसी दौरान दो युवकों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमलावरों ने प्रदीप पर चार बार चाकू से वार किया। घायल युवक को पहले जिला चिकित्सालय ले जाया गया।

वर्दी में पुलिस का धर्म सिर्फ कानून है, निष्पक्षता असली पहचान; सुप्रीम कोर्ट को क्यों देनी पड़ी यह नसीहत?

संपादकीय

अदालत ने कहा कि जब एक बार कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन लेता है, तो उसे अपने निजी झुकाव, धर्म, जाति या किसी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से ऊपर उठ कर कानून के मुताबिक अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

किसी भी मौके पर जब पुलिस के हस्तक्षेप की जरूरत पड़ती है, तब उम्मीद की जाती है कि वह बिना किसी भेदभाव के, पक्षपात किए या दबाव में आए बगैर पीड़ित पक्ष के हक में अपने अधिकारों का उपयोग करेगी। इस क्रम में किसी भी हाल में उसके ऊपर धर्म या जाति से जुड़े आग्रह हावी नहीं होंगे और वह सिर्फ न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि पुलिस महकमे से जुड़े लोग कई बार अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने से नहीं हिचकते।

ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिनमें पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे या किसी खास तबके या समूह के खिलाफ पक्षपात करने के आरोप भी लगे। जबकि कानून की वर्दी पहनने के साथ ही व्यक्ति एक दायित्व से बंध जाता है कि उसे हर हाल में न्याय के पक्ष में खड़ा होना है और पीड़ितों को इंसाफ दिलाने में कानून की सीमा में सभी स्तर पर सहयोग करना है। अफसोस की बात है कि इस तरह के जिन दायित्वों को याद रखना खुद पुलिस महकमे और उससे जुड़े लोगों की अपनी जिम्मेदारी होनी चाहिए, उसके लिए कई बार अदालतों को हस्तक्षेप करना और याद दिलाना पड़ता है।

अकोला में 2023 के दंगे मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट का निर्देश

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के अकोला में 2023 में हुए दंगे के एक मामले की सुनवाई के दौरान गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में पुलिस को नसीहत दी कि निष्पक्षता ही उसका असली दायित्व है। अदालत ने कहा कि जब एक बार कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन लेता है, तो उसे अपने निजी झुकाव, धर्म, जाति या किसी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से ऊपर उठ कर कानून के मुताबिक अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। उसे अपने पद और अपनी वर्दी से जुड़े कर्तव्य के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करना चाहिए। हालांकि ये अपेक्षाएं पुलिस महकमे से जुड़े किसी भी अधिकारी-कर्मचारी के काम करने और सोचने के तरीके में बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के शामिल होनी चाहिए, निष्पक्षता और न्याय के पक्ष में काम करना उसके व्यक्तित्व और विचार का स्वाभाविक हिस्सा होना चाहिए। मगर पहले तो किसी आम नागरिक के सामने पुलिस पर अपने खिलाफ पूर्वाग्रह बरतने और पक्षपात करने का आरोप लगाने की नौबत आती है, फिर शीर्ष अदालत को यह बताना पड़ता है कि पुलिस का काम किसी धर्म या जाति पर आधारित भेदभाव के बिना कानून के मुताबिक निष्पक्ष जांच करना है सांप्रदायिक दंगों के दौरान कार्रवाई और जांच के संदर्भ में पुलिस पर धार्मिक पहचान के आधार पर पक्षपात बरतने के आरोप अक्सर सामने आए हैं। कमजोर या वंचित जातियों के लोगों के खिलाफ अपराधों के मामले में भी पुलिस पर रसूख वाले वर्गों के पक्ष में काम करने के आरोप लगते रहे हैं।

पुलिस का मनोबल तोड़ना ठीक नहीं

कविता श्रीवास्तव

महाराष्ट्र में एक अवैध खनन रोकने पहुंची आईपीएस अधिकारी को उप मुख्यमंत्री द्वारा रोके जाने का दबाव डालने की घटना इन दिनों चर्चा में है। इन दोनों के बीच मोबाइल पर हुई तीखी बहस का वीडियो भी खूब वायरल हुआ है। इस मामले पर पुलिस महकमे में कुछ नाराजगी पनपी है, जबकि राजनीतिक महकमे में उप मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के तरीके को अनुचित बताया जा रहा है। पुलिस पर राजनीतिक दबाव बनाने को लेकर यह विवाद फिलहाल खूब चर्चा में है। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त रहे चर्चित आईपीएस ऑफिसर जूलियो रिबेरो ने भी शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि सच्चे और ईमानदार पुलिस अफसर किसी दबाव से नहीं डरते। कुछ लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाएं पुलिस का मनोबल तोड़ती हैं। इसी बीच हरियाणा के कैथल में एक अदालत ने एक पुलिस इंस्पेक्टर को हत्या के एक मामले में लगातार अनुपस्थित रहने के कारण उसे एक घंटे के जेल की सजा सुनाई। उस अफसर को उसके आधिकारिक गणवेश में ही सजा के तौर पर अदालत की जेल में एक घंटे रखा गया। हत्या जैसे मामले में पुलिस का गवाही के लिए लगातार अनुपस्थित होना निश्चित रूप से गंभीर विषय है। लेकिन अदालत की इस सख्ती को लेकर भी कुछ टिप्पणियां आई हैं, जिनमें कहा गया है कि ऐसे सख्त एक्शन से पुलिस का मनोबल गिरता है। पुलिस समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों को रोकने, आपराधिक घटनाओं की जांच करने, नागरिकों के जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समाज में शांति और सद्भाव कायम रखने का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व निभाना पुलिस विभाग की जिम्मेदारी है। पुलिसवाले ही कानून के रखवाले हैं। अपराधों को नियंत्रित रखना, अपराधियों को पकड़ना, उन्हें अदालत के सामने पेश करना और सजा दिलवाना उनका काम है। इसी से नागरिकों को सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर भरोसे का एहसास होता है। यह ड्यूटी निभाने के लिए पुलिस को सारी सुविधाएं मुहैया कराना सरकार का दायित्व है। इसी के साथ प्रशासनिक तौर पर और सामाजिक तौर पर पुलिस का मनोबल भी बढ़ाए रखना जरूरी है, ताकि वे अपराधियों पर हमेशा हावी रहें और आम नागरिक सुरक्षित रहें। जहां तक पुलिस पर दबाव डालने या पुलिस विभाग पर नियंत्रण रखने का मुद्दा है यह भी आवश्यक ही है। पुलिस विभाग द्वारा मनमानी किए जाने और गलत कार्य किए जाने के मामले भी अकसर चर्चा में आते हैं। पुलिस विभाग के लिए यह जरूरी है कि वे अपनी ड्यूटी निभाते समय संविधान के दायरे में रहते हुए जनहित की दिशा में काम करें और न्यायोचित कदम उठाएं। कई बार पुलिस से अपराधियों की सांठ-गांठ की शिकायतें भी होती हैं। कई मामले में पुलिस वालों के गलत कार्यों पर कार्रवाइयां भी हुई हैं। जनहित में यह जरूरी है कि पुलिस विभाग ईमानदारी और निष्पक्षता से अपना काम करें और उस पर किसी का दबाव न हो।

भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी 'ऐबिस' सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। विलियम जोन्स ने कहा कि, 'संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ संबंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।' संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक संबंधों का अध्ययन कैसे हो?

पंख लगाकर उड़ी हिंदी

हृदयनारायण दीक्षित

सभ्यता, संस्कृति, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आदि केंद्र भारत है, इन सबकी आदि भाषा है संस्कृत। यूरोपीय विद्वान एच.एस. मेन ने लिखा था, 'बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के आविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिंदुओं से पाए, यूरोप में पैसलाए। अरब चिकित्सा पद्धति संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद है, यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी।'

विलियम हंटर ने लिखा था कि, 'पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था। पाणिनि का व्याकरण संसार में सर्वोच्च है।' मैक्समूलर ने लिखा, 'भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचारों मात्र पर पालित-पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं।'

गांधी ने लिखा, 'पृथ्वी पर हिंदुस्थान ही एक ऐसा देश है जहां मां-बाप अपने बच्चों को अपनी मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना-लिखाना पसंद करेंगे।' अंग्रेजी को विश्व भाषा बताया जाता है, लेकिन जापान, रूस और चीन आदि अनेक देशों में अंग्रेजी की कोई हैसियत नहीं है। भारत की संविधान सभा (14 सितंबर, 1949) ने हिंदी को राजभाषा बनाया, 15 वर्ष तक अंग्रेजी में राजकाज चलाने का 'परंतु' जोड़ा। पंडित नेहरू ने कहा, 'हमने अंग्रेजी इस कारण स्वीकार की, कि वह विजेता की भाषा थी, अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो किंतु इसे हम सहन नहीं कर सकते।' एन.जी. आयंगर ने सभा में हिंदी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखते हुए 15 बरस तक अंग्रेजी को जारी रखने का कारण बताया, 'हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। यद्यपि सरकारी प्रयोजनों के लिए हमने हिंदी को अभिज्ञात किया फिर भी हमें यह मानना चाहिए कि आज वह समुन्नत भाषा नहीं है। सेठ गोविंद दास ने हिंदी की पैरोकारी की, 'इस देश में हजारों वर्ष से एक संस्कृति है। यहां एक भाषा और एक लिपि ही होनी चाहिए।' आर.वी. धुलेकर ने कहा, 'मैं कहता हूं कि वह राजभाषा है, राष्ट्रभाषा है। हिंदी के राष्ट्रभाषा-राजभाषा हो जाने के बाद संस्कृत विश्व भाषा बनेगी। अंग्रेजी के नाम 15 वर्ष का पट्टा लिखने से राष्ट्र का हित साधन नहीं होगा। (संविधान सभा बहस 13-9-1949) संविधान में तीन दिन तक बहस हुई। संविधान के अनुच्छेद (343-1) में हिंदी राजभाषा बनी। किंतु अनुच्छेद (343-2) में अंग्रेजी जारी रखने का प्रावधान हुआ। हिंदी के लिए आयोग-समिति बनाने की व्यवस्था हुई। हिंदी के विकास की जिम्मेदारी (अनुच्छेद 351) केंद्र पर डाली गई।गांधी जी ने कहा, 'अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं।' (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) भारतीय संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिंदी है। हिंदी के पास प्राचीन संस्कृति और परंपरा की सुदीर्घ विरासत है। हिंदी ने संस्कृत सहित सभी भारतीय भाषाओं-बोलियों से शब्द लिए। सबको अर्थ दिए। हिंदी दिवस की रस्म अदायगी होती रही है। वह राजभाषा है। लेकिन फारसी, अंग्रेजी की तरह उसे राज्य आश्रय नहीं मिला। फारसी मध्यकाल के बादशाहों ने थोपी थी, अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी लाई। हिंदी का विस्तार राज्य आश्रय से नहीं हुआ। भारत में विश्व के चार भाषा परिवार-भारोपीय, द्रविड़, कौल और कीरत हैं। इन भाषाओं के बोलने वालों के बीच सांस्कृतिक समानताएं थीं-हैं। शिक्षा का माध्यम संस्कृत था। बाद की सभी भाषाओं-बोलियों में संस्कृत और संस्कृति का प्रदाय था। राष्ट्र का अभ्युदय और आत्मज्ञान इस शिक्षा का लक्ष्य था। दसवीं शताब्दी तक संस्कृत और उसकी प्राकृत भाषा ही शिक्षा, इतिहास, भौतिकी और परा विज्ञान का माध्यम थी। संस्कृत और संस्कृति से विकसित पाली, मगधी, प्राकृत, अपभ्रंश और अंततः हिंदी ने ही भारत को एक सांस्कृतिक क्षेत्र बनाया। अमेरिकी भाषाविद एम.बी. एमेन्यू ने भारत को भाषिक क्षेत्र बताया। अरबी-फारसी के विद्वानों ने भारत की भाषाई पहचान के लिए हिंदी शब्द का प्रयोग किया। अमीर खुसरो ने इसे हिंदवी-हिंदूई गाया। हैदराबाद के मुस्लिम शासक कुली कुतुबशाह ने इसे 'जबाने हिंदी' बताया। हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। वह यमुना के निकुंजों पर गीत गाते बड़ी हुई। अंग्रेजी राज के बाद फारसी की जगह अंग्रेजी आ गई। गांधी जी ने अंग्रेजी का विरोध और हिंदी का समर्थन (1917) करते हुए कहा, 'हिंदी ही हिंदुस्थान के शिक्षित समुदाय की भाषा हो सकती है। अंग्रेजी विदेशी भाषा है। हिंदी 22 करोड़ की भाषा है।' स्वाधीनता संग्राम में जनप्रबोधन की भाषा हिंदी थी। सत्ता पक्ष की दृष्टि में अंग्रेजी समृद्ध थी और हिंदी गरीबी रेखा की नीचे। तीन दिन तक चली बहस में हस्तक्षेप करते हुए पंडित नेहरू ने कहा, 'अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो, किंतु इसे हम सहन नहीं कर सकते।' 14 सितंबर के दिन अंग्रेजी प्रभुत्व के साथ हिंदी राजभाषा बन गई। संविधान ने हिंदी के प्रसार-प्रचार का काम केंद्र को सौंपा। हिंदी कमजोर सिद्ध हो गई। उच्चतम न्यायालय-उच्च न्यायालय और संसद में प्रस्तावित विधेयकों-पारित कानूनों की भाषा अंग्रेजी (अनुच्छेद 348) ही है। हिंदी जानने वालों की संख्या सवा अरब से भी ज्यादा है। भारत के बाहर अमेरिका, पाकिस्तान, नेपाल, इंडोनेशिया, इराक, बांग्लादेश, इजराइल, ओमान, इक्वाडोर, फिजी, प्रसांस, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, म्यांमार, यमन, त्रिनिदाद, सऊदी अरब, पेरू, रूस, कतर आदि देशों में लाखों हिंदी भाषी हैं। हिंदी पंख पैसलाकर उड़ी है। देश में सबसे बड़ी प्रसार संख्या वाले अखबार हिंदी के हैं। हिंदी फिल्मों-सीरियलों का व्यापार करोड़ों में है। हिंदी में लिखे गए इतिहास, संस्कृति व दर्शन ग्रंथ विश्व की किसी भी भाषा से उत्कृष्ट हैं। हिंदी भारत के जन गण मन की प्रीति है।

नवीन सी. चतुर्वेदी

पितर पक्ष के बहानें

कहूँ-कहूँ ही परम शुद्ध वस्तु टिक रई हैं
नदी किनारें हू पानी की कैन बिक रई हैं

सच्ची बात है। जिन नदी'न के किनारें मानव सभ्यता बसवौ आरम्भ भयौ हुतो आज विनके पानी पीवे का नहावे लायक तक नाँय रहे। यै सब तौ ठीक अब तौ पितर पक्ष आय रह्यौ है। लुगैया'न के नसीब में चैन नाँय नें घुटरू। पहलें सावन के सोमवार, राखी, हरियाली तीज, नागपंचमी, जनम अष्टमी, राधाअष्टमी और अब कनागत, एक के बाद एक। सरीर हल्ल है जावै। अब एक-एक कर कें पुरखा आमगे। विनके सराद्ध करौ। कभू खीर बनेगी कभू श्रीखंड। चरूली, चटनी, सौंठ, दहीबड़ा, पूरी, कचौरी के संग सूखे और पतरे साग तौ बनने ही हैं। मरी कामवारी हू इन दिन'न में नखरे करवे लगें। काम बढ़ौ भयौ दीखै तौ बहाने बनाय कें छुट्टी लै लेमें। सही कह रही है बत्तो। परिपाटी चली आय रही है सो अपुन कों हू माननों ही है। सराद्ध हू अब पहले जैसे नाँय रहे, भौत महँगे है गये हैं। परंतु जो है सो है। अपने पुरखा'न की सेवा अपुन नाँय करगे तौ कौन करैगौ? मेहनत और खरचा तौ ठीक लेकिन समस्या यै है कि अब श्राद्ध में जिमायवे कों शुद्ध का सामान्य ब्राह्मण तक नाँय मिलें! हाँ घुटरू, अब ब्राह्मण'न के हू टोटे है गये हैं। जाय नौतौ वोही कहै आप टिफिन दे देना। अरे भैया, टिफिन दे देना मतलब यै तौ उधार चुकायवे जैसौ है गयौ। आयवे जायवे कौ ऑटो भाड़ौ देउ, कपड़ा देउ, यथाशक्ति दक्षिणा देउ और ब्राह्मण बैठ कें भर पेट खावै हू नाँय। पुरखा'न की छोड़ खुद अपनों हू मन तृप्त नाँय होवै। बत्तो ब्राह्मण'न के जैसें ही गऊग्रास हू एक विकट समस्या बन गयी है। अव्वल तौ गैया मिलें नाँय नें। मिल जामें तौ विनके मालिक'न के नखरे। वाके बाद हू गैया गऊग्रास खामें नाँय नें। म्हों फेर लेमें हैं। देख कें माथौ ठनक जावै कि हम वौ खाय रहे हैं जाकों जानवर तक नाँय खाय रहे! बढ़ती भयी जनसंख्या नें सच्चऊँ कण-कण में विष घोर दियौ है। सिस्टम कालीदह जैसौ है गयौ है। द्वापर में जैसें कालिया नाग कों नाथ कें जमना के प्रदूषित पानी कों शुद्ध कियौ हुतो फिर सों कृष्ण ही अवतार लै कें हमें या सिस्टम की गंदगी सों बाहर निकार सकें।सही कह रह्यौ है घुटरू। शुद्धता के तौ अब सपने ही हैं। एक जमानों हुतो कि इमरती खायवे कों मन ललचाउ करतो, मगर अब तौ

न स्वाद है न ही रस है न कुरकुराहट है
न जानें कौन विधी सों इमरती सिक रई हैं

नेपाल में हिंसा एवं अराजकता,अस्थिरता के दौर से गुजरता नेपाल

भारत का पड़ोसी देश नेपाल जबसे कम्युनिस्ट देश बना है, तब से चीन के दबाव के चलते यहां लगातार अस्थिरता बनी हुई है। इस बार नेपाल भीषण संकट में है। यह संकट इसलिए बढ़ा, क्योंकि राजशाही खत्म होने के बाद संघीय सरकार से युवाओं को अपेक्षा थी कि देश में राजनीतिक स्थिरता तो कायम होगी ही, सरकारी नौकरियों और अन्य रोजगारों की संभावना भी बढ़ेगी। लेकिन 17 साल के गैर राजतांत्रिक नेपाल में 15 सरकारें तो बदलीं, परंतु हालात नहीं बदले।

प्रमोद भार्गव

तख्तापलट की वजहें -इसी बीच राजशाही और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांगे भी उठती रही है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो से जनता को पता चला कि मंत्री और उनके परिजन देश-विदेश में ऐशोआराम की जिंदगी जी रहे हैं। उनके बच्चे विदेशों में अच्छी शिक्षा ले रहे हैं। ब्रांडेड सामान के साथ फाइव स्टार जीवन विदेशों में व्यतीत कर रहे हैं। वैभव की इस पृष्ठभूमि में सरकारी स्तर पर पैसले भ्रष्टाचार को मुख्य कारण माना। जबकि गरीब युवा प्रतिदिन तीन हजार से ज्यादा की संख्या में पलायन करने को विवश हो रहे हैं। इस आंदोलन को पहले दक्षिणपंथी करार देने की कोशिशें हुईं, लेकिन वास्तव में यह आक्रोश उस कुंठा के चलते उपजा जो नेताओं और उनके परिजनों के वीडियों में भोग-विलास का जीवन जीते हुए दिखा।

नेपाल में हिंसा और अराजकता इस हद तक पैसली कि आंदोलनकारियों ने संसद भवन , प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और मंत्रियों तक के घर जला दिए। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पत्नी को जिंदा जला दिया। देश की सत्ता की इस राख में 22 युवाओं की सेना और पुलिस की गोलाबारी में हुई मौतों की राख भी मिल गई। इस आंदोलन को सोशल मीडिया के साथ खासतौर से जेन-जी पर पाबंदी माना जा रहा है। हालांकि, यह रोक युवाओं का आक्रोश देखने के बाद हटा ली गई थी। जेन-जी यानी जेनरेशन-जेड का बोध करानेवाली वह पीढ़ी है, जिनका जन्म 1997 से लेकर 2012 के बीच हुआ है। यानी वर्तमान में ये आंदोलनकारी किशोर एवं युवा हैं। इस आग में घी डालने का काम सुदन गुरुंग और बालेन शाह ने जेन-जी पर उपस्थिति दर्ज कराकर किया था। बालेन और सुदन ओली सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और परिवारवाद की मुहिम पूर्व से ही चला रहे थे। कुछ नेताओं की बढ़ती संपत्ति के विरुद्ध भी मोर्चा खोले हुए थे। इसी बीच 4 सितंबर को सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया तो राजधानी काठमांडू के महापौर बालेन शाह सक्रिय हो गए। उन्होंने सोशल मीडिया एक्सेस किया और लिखा, 'कल की रैली जेन-जी की रैली है। इस रैली में कोई भी पार्टी, नेता, सांसद एवं कार्यकर्ता को निजी लाभ के लिए शामिल होने की जरूरत नहीं है। उम्र के कारण मैं जा नहीं सकता, लेकिन मेरा पूरा समर्थन है।' बालेन के चाहनेवाले लाखों में हैं। इस पोस्ट को 20,000 से ज्यादा लोगों ने साझा किया। देखते-देखते आंदोलन की दशा और दिशा तय हो गई और लाखों युवा आंदोलन के लिए काठमांडू की सड़कों पर उतर आए। संसद,सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर आग लगा दी। प्रधानमंत्री आवास पर पत्थरबाजी की और पूरे शहर में ऐसा तांडव मचाया कि सेना और पुलिस को नियंत्रण के लिए संयुक्त अभियान चलाना पड़ा। नेपाल के इतिहास में इसे तख्तापलट की बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह का जन आक्रोश फूट चुका है। वहां की सरकारें अपदस्थ हुई हैं।

हिंदू राष्ट्र की पहचान

नेपाल में हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग भी लंबे समय से उठ रही है। नेपाल में सेना के नियंत्रण और शांति कायम होने के बाद एक बार फिर हिंदू राष्ट्र की मांग उठना शुरू हो गई है। इससे लगता है लोग माओवादी कम्युनिस्टों से मुक्ति चाहते हैं। हिंदु राष्ट्र की मांग को लेकर अनेक संगठन सड़कों पर उतरकर राजशाही के पक्ष में आंदोलन कर चुके हैं। इस मांग में पुरुषों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में शामिल रही हैं। इस मांग को मुख्य रूप से राष्ट्रवादी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी उठा रही है। यह नेपाल की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। इस दल के प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ की मांग है कि नेपाल में राजशाही की पुनर्बहाली हो और इसे हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। नेपाल को 2007 में पंथनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया था।

नतीजतन 2008 में राजशाही व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। 2008 में नेपाल के गणराज्य बनने के बाद से कारोबारी दुर्गा प्रसाई आंदोलन को हवा दे रहे हैं। एक समय प्रसाई के प्रधानमंत्री प्रचंड और ओली के साथ घनिष्ठ संबंध थे, लेकिन बाद में वे दोनों के आलोचक हो गए। इसी समय राजशाही के दौर में गृहमंत्री रहे कमल थापा ने हिंदू राष्ट्र की मांग के लिए नया गठबंधन बना लिया है। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह भी एकाएक सक्रिय होकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे हैं। वह मंदिरों में होने वाली पूजा में शामिल हो रहे हैं।

दरअसल, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी का चीन की गोद में बैठना और भारत विरोधी अभियान चलाना देश की जनता को नागवार गुजर रहा है, क्योंकि नेपाल-भारत के बीच रोटी-बेटी का संबंध हजारों साल से चला आ रहा है। भगवान राम की पत्नी सीता नेपाल की थीं। नेपाल के मुसलमान भी देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के पक्ष में हैं। समाज के कुछ नेताओं का मानना है कि हिंदू राष्ट्र का दर्जा खत्म होने के बाद से नेपाल में ईसाई मिशनरियां ज्यादा सक्रिय हो गई हैं। मिशनरी इस स्थिति का फायदा उठाकर लोगों का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं। यूसीपीएन माओवादी के अतिरिक्त मुस्लिम मुक्ति मोर्चा भी मिशनरियों के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार नहीं करता है। राष्ट्रवादी मुस्लिम मोर्चा भी देश की धर्मनिरपेक्ष पहचान नहीं चाहता है। 80 फीसदी मुस्लिम आबादी देश की हिंदू पहचान बहाल करने के पक्ष में है।

मौजिक संस्कृति स्वतंत्रता!

गौरतलब है कि राजनीतिक दलों के बीच नए संविधान में देश की धर्मनिरपेक्षता की पहचान खत्म करने को लेकर सहमति बनी थी। इसके बाद से यह मांग और तेज हो गई है। देश के सभी समुदाओं के लोग मानते हैं कि पुरानी हिंदू पहचान की बहाली का कोई विकल्प नहीं है। धर्मनिरपेक्षता हिंदू-मुस्लिम एकता तोड़ने की साजिश है।

भ्रष्टाचार पर शून्य सहिष्णुता-व्यावसायिक प्रशिक्षक भर्ती प्रक्रिया की जांच तेज, दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

मंत्री श्री गजेंद्र यादव के निर्देशानुसार जारी हुआ एफआईआर करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षक भर्ती प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं, लेनदेन एवं भ्रष्टाचार की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, रायपुर द्वारा संचालित भर्ती प्रक्रिया में प्राप्त शिकायतों के आधार पर प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन शासन को प्राप्त हुआ है। प्रतिवेदन के अनुसार चयन प्रक्रिया में गड़बड़ियों की पुष्टि हुई है।

मंत्री श्री गजेंद्र यादव के निर्देशानुसार स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दोषी अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल एफ.आई.आर. दर्ज की जाए एवं कार्रवाई की प्रगति से शासन को अवगत कराया जाए।

उल्लेखनीय है कि इस विषय पर पूर्व में आयोजित बैठक में शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने ही कड़े शब्दों में निर्देश दिए थे कि विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा न जाए तथा सभी मामलों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। मंत्री श्री यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर कार्य किया जा रहा है। विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

प्रदेश में अब तक 996.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 996.5 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में बस्तर जिले में सर्वाधिक 1388.6 मि.मी. और बेमेतरा जिले में न्यूनतम 485.7 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

रायपुर संभाग में रायपुर में 860.6 मि.मी., बलौदाबाजार में 723.7 मि.मी., गरियाबंद में 866.9 मि.मी., महासमुंद में 717.4 मि.मी. और धमतरी में 892.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बिलासपुर संभाग में बिलासपुर में 1030.0 मि.मी., मुंगेली में 1010.5 मि.मी., रायगढ़ में 1212.3 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 829.4 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1181.9 मि.मी., सक्ती में 1083.5 मि.मी., कोरबा में 1017.3 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 944.3 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग में 782.0 मि.मी., कबीरधाम में 725.1 मि.मी., राजनांदगांव में 850.4 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1222.2 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 718.4 मि.मी. और बालोद में 1058.0 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा में 706.2 मि.मी., सूरजपुर में 1052.1 मि.मी., बलरामपुर में 1366.5 मि.मी., जशपुर में 968.4 मि.मी., कोरिया में 1108.0 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 997.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बस्तर संभाग में बस्तर में 1388.6 मि.मी., कोंडागांव में 946.0 मि.मी., कांकेर में 1133.4 मि.मी., नारायणपुर में 1208.2 मि.मी., दंतेवाड़ा में 1368.2 मि.मी., सुकमा में 1066.0 मि.मी. और बीजापुर में 1363.8 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है।

विश्वविद्यालय के ड्रोन क्लब का किया उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज रूंगटा इंटरनेशलन स्कील्स यूनिवर्सिटी भिलाई में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के विद्यारंभ समारोह में शामिल हुए। इस दौरान राज्यपाल ने यूनिवर्सिटी के ड्रोन क्लब का उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि रूंगटा अंतर्राष्ट्रीय कौशल विश्वविद्यालय में प्रतिभाशाली लोगों को संबोधित करने में अपार प्रसन्नता हो रही है, जो हमारे छत्तीसगढ़ राज्य और हमारे राष्ट्र के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब आप यहाँ से स्नातक होंगे, तो आपके पास केवल एक डिग्री ही नहीं होगी, बल्कि आपके पास

समस्याओं की पहचान कर समाधान विकसित करें जिससे लोग लाभान्वित हो: राज्यपाल डेका

रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के विद्यारंभ समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

वैश्विक प्रौद्योगिकी परिदृश्य को परिभाषित करने वाली कंपनियों के प्रमाणपत्र भी होंगे। आपका रिज्यूमे एक ऐसी भाषा बोलेगा जिसे दुनिया भर के नियोक्ता समझते और सम्मान करते हैं। राज्यपाल ने कहा आप सभी रोज़गार की तलाश से आगे सोचे, रोज़गार सृजन के बारे में सोचें। समाज में समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधान विकसित करने के बारे में सोचें जिनसे लाखों लोगों को लाभ हो सके। यहाँ की सहायता प्रणाली - मार्गदर्शन से लेकर वित्तपोषण तक - आपके सपनों को हकीकत में बदलने के लिए डिज़ाइन की गई है। राज्यपाल ने कहा कि यहाँ की ड्रोन प्रयोगशाला इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि कैसे तकनीक का उपयोग सामाजिक लाभ के लिए किया जा सकता है। ड्रोन केवल उड़ने वाले उपकरण नहीं हैं; वे ऐसे उपकरण हैं जो कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा वितरण और पर्यावरण निगरानी में क्रांति ला सकते हैं। जब आप इस प्रयोगशाला में प्रयोग और नवाचार करते हैं, तो याद रखें कि प्रत्येक परियोजना में जीवन को प्रभावित करने

और समुदायों को बदलने की क्षमता है।

राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों से कहा किं आज नियोक्ता ऐसे पेशेवरों की तलाश में हैं जो गंभीरता से सोच सकें, टीमों में काम कर सकें, प्रभावी ढंग से संवाद कर सकें और बदलाव के साथ तालमेल बिठा सकें। ये क्लब पाठ्येतर गतिविधियाँ नहीं हैं; ये आपके पेशेवर विकास का अभिन्न अंग हैं। 2,000 युवा दिमागों के एक ही छत के नीचे इकट्ठा होने से, आप बदलाव की एक शक्तिशाली ताकत का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन इस अवसर के साथ आपके अपने, आपके परिवार, आपके संस्थान, समाज और राष्ट्र के प्रति ज़िम्मेदारी भी आती है। आप जिस दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, वह पिछली पीढ़ियों के अनुभव से बहुत अलग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और अनगिनत अन्य तकनीकें हर उद्योग को नया रूप दे रही हैं। आज जो नौकरियाँ मौजूद हैं, वे कल अप्रचलित हो सकती हैं, जबकि नई भूमिकाएँ उभरेंगी जिनकी हम आज कल्पना भी नहीं कर सकते। राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों को अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल के रूप में, उन्हें कई सफल पेशेवरों, उद्यमियों और अन्य लोगों से मिलने का सौभाग्य मिला है। उन्हें सिर्फ़ उनका तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि समस्याओं को सुलझाने की उनकी क्षमता, जोखिम उठाने की उनकी इच्छाशक्ति, दूसरों का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता और बदलाव लाने की उनकी प्रतिबद्धता भी अलग बनाती है।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा, इस रोमांचक यात्रा की शुरुआत करते हुए, मैं चाहता हूँ कि आप जिज्ञासु रहें, हर चीज़ पर सवाल उठाएँ, हर अवसर का लाभ उठाएँ और सीखना कभी बंद न करें, सहयोगी बनें, सर्वोत्तम नवाचार तब होते हैं जब विविध विचार एक साथ काम करते हैं। साहसी बनें, असफल होने से न डरें, कोशिश करने से न डरें और प्रतिबद्ध रहें। उत्कृष्टता कोई संयोग नहीं है, यह निरंतर प्रयास का परिणाम है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से छत्तीसगढ़ के हितग्राही हो रहे लाभान्वित

राज्य सरकार की अतिरिक्त सब्सिडी से उपभोक्ताओं को मिल रहा दोगुना फायदा, बिजली बिल में राहत और पर्यावरण संरक्षण की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत न केवल बिजली बिल में भारी बचत हो रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सब्सिडी के साथ अब राज्य सरकार द्वारा भी अतिरिक्त सब्सिडी दिए जाने से यह योजना आम उपभोक्ताओं के लिए और भी लाभप्रद सिद्ध हो रही है।

योजना के अंतर्गत 5 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप सिस्टम पर केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए तक की सब्सिडी दी जा रही है। इस पहल से आमजन के बिजली बिल लगभग शून्य हो रहे हैं और अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है।

सक्ती जिले के ग्राम पोरथा निवासी श्री कुलदीप कुमार राठौर ने अपने घर की छत पर

2 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित कराया। इसकी कुल लागत लगभग 1 लाख 40 हजार रुपए रही, जिसमें उन्हें केंद्र सरकार से 60 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। श्री राठौर का कहना है कि राज्य सरकार की सब्सिडी मिलना उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत लाभप्रद है। अब उनके घर का बिजली बिल पहले की तुलना में काफी कम हो गया है, जिससे आर्थिक बोझ घटा है और वे बचत की राशि अन्य जरूरी कार्यों में उपयोग कर पा रहे हैं।

इसी तरह महासमुंद जिले के पीटियाझर निवासी श्री महेश पाल, जो राज्य पुलिस विभाग में कार्यरत हैं, ने अपने घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सौर पैनल सिस्टम स्थापित कराया। पिछले दो माह से उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और उन्हें क्रेडिट यूनिट का भी लाभ मिल रहा है। श्री पाल का कहना है कि यह योजना न केवल आर्थिक रूप से राहत दे रही है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान करने का अवसर प्रदान कर रही है। प्रदेश में अब तक हजारों उपभोक्ता इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। केवल महासमुंद जिले में ही 583 उपभोक्ता योजना का लाभ ले रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में तेजी से लोकप्रिय हो रही है और बड़ी संख्या में लोग इससे जुड़ रहे हैं।

सिम्स अस्पताल में मिला नवजात शिशु, चाइल्ड लाइन को सौंपा गया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में अज्ञात अवस्था में मिला एक नवजात शिशु उपचार और देखभाल के उपरांत आज चाइल्ड लाइन बिलासपुर को विधिवत रूप से सौंपा गया। 15 अगस्त 2025 को सिम्स के महिला एवं प्रसूति विभाग में कविता (20 वर्ष), पति ओमप्रकाश, निवासी भरनीपरसदा सकरी को प्रसव हेतु भर्ती किया गया था। 15 अगस्त को प्रसव उपरांत पुत्र जन्म हुआ। 16 अगस्त को ही प्रसूता को छुट्टी दे दी गई। परिजन 24 अगस्त तक शिशु को देखने आते रहे, किंतु 25 अगस्त से आना बंद कर दिया। संपर्क हेतु उपलब्ध कराए गए मोबाइल नंबर भी गलत पाए गए।

इसके पश्चात शिशु को शिशु रोग विभाग में भर्ती कर एनआईसीयू वार्ड में रखा गया, जहां विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश नाहरेल, डॉ. समीर कुमार जैन, डॉ. सलीम खलखो, डॉ. मीनाक्षी ठाकुर, डॉ. जायकिशोर तथा सिस्टर इंचार्ज विभा श्रीवास, सरोजिनी, कमलेश, मीरा देवांगन और आया भावना सिदार एवं पुष्पा सहित टीम द्वारा समुचित देखभाल की गई।

रितु रजक कपड़े का व्यवसाय अपनाकर बनी आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बिहान योजना अंतर्गत स्व-सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएँ अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं और परिवार की जिम्मेदारियाँ भी सफलता पूर्वक निभा रही हैं। जशपुर जिले के दुलदुला विकासखण्ड की निवासी रितु रजक इसकी प्रेरक मिसाल हैं। उन्होंने दीपक स्व-सहायता समूह से जुड़कर समूह गतिविधियों के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रारंभ में उन्होंने ग्राम संगठन से 10 हजार रुपए तथा अपने समूह को बैंक से प्राप्त ऋण में से 40 हजार रुपए का ऋण लेकर कपड़े का व्यवसाय प्रारंभ किया। व्यवसाय में सफलता मिलने पर उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत साधन संस्था की तकनीकी सहायता से ग्रामीण बैंक दुलदुला से 2 लाख रुपये का ऋण

प्राप्त कर कारोबार का विस्तार किया। रितु रजक कहती हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व एवं राज्य शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले की महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में नई पहचान बना रही हैं। आज रितु रजक का कपड़े का व्यवसाय सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। इससे उन्हें प्रतिमाह 20 से 25 हजार रुपये की आय हो रही है। मेहनत और आत्मनिर्भरता से आज ÷लखपति दीदी÷ के रूप में पहचान बना चुकी है। रितु रजक ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अंबिकापुर में की विभागीय समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा संभाग के प्रवास के दौरान आज अंबिकापुर सर्किट हाउस में विभागीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री राजवाड़े ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को समय पर मिलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान उन्होंने बालक-बालिका गृह, आंगनबाड़ी केंद्रों, विशेष विद्यालयों और समाज कल्याण से संबंधित संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर भी विशेष जोर देते हुए पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विज्ञान की जटिल अवधारणाएं सरल और मनोरंजक ढंग से समझेंगे

मॉडल को छूकर, घुमाकर, प्रयोग कर देख सकेंगे विद्यार्थी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। साइंस पार्क बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से स्थापित किया जा रहा है। धमतरी जिले का गंगरेल क्षेत्र पहले से ही एक प्रमुख पर्यटन केंद्र है। साइंस पार्क के माध्यम से यहां शिक्षा और पर्यटन का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। इसका उद्देश्य है कि जिले के बच्चे विज्ञान को केवल किताबों में न पढ़ें, बल्कि उसे छूकर, देखकर और प्रयोग करके समझें। यह पार्क न केवल विद्यार्थियों बल्कि आम नागरिकों और पर्यटकों के लिए भी एक प्रेरणादायी स्थल बनेगा। साइंस पार्क से आने वाली पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना विकसित होगी, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

धमतरी जिले के पं. रविशंकर जलाशय परियोजना गंगरेल स्थित बरूवा गार्डन में साइंस पार्क का निर्माण किया जा रहा है। गंगरेल जलाशय प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां प्रतिवर्ष हजारों की

संख्या में सैलानी और विद्यार्थी भ्रमण के लिए आते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विज्ञान को रोचक और व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करने के लिए साइंस पार्क का निर्माण किया जा रहा है। इस पार्क में 28 आउटडोर और 40 इनडोर उपकरण लगाए गए हैं। स्वचालित और इंटरेक्टिव होने के कारण यह न केवल विद्यार्थियों बल्कि आम नागरिकों और पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।

मॉडल को छूकर, घुमाकर, प्रयोग कर विद्यार्थी देख सकेंगे: ओपन-एयर प्रदर्शनी, गुरुत्वाकर्षण, प्रकाश, ध्वनि, ऊर्जा परिवर्तन, लीवर और पुली जैसे वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझाने वाले मॉडल खुले वातावरण में लगाए गए हैं, जिससे विज्ञान में रूचि लेने वाले बच्चों के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र होगा। यहां ऐसे मॉडल हैं जिन्हें छूकर, घुमाकर या प्रयोग करके विद्यार्थी विज्ञान की मूल अवधारणाओं को अनुभव कर सकेंगें। पर्यावरण अनुकूल वातावरण हरियाली से घिरे इस उद्यान में विद्यार्थी खेल-खेल में सीख सकेंगे। यहां प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की प्रतिमाएं, कृत्रिम उपग्रह का चलित मॉडल, तरंग गति, कंकाल तंत्र, अनंत पथ, ब्लैक होल का प्रदर्शन, ध्वनि संचरण, मानव नेत्र की कार्यप्रणाली और रंगों का मिश्रण जैसे विषयों पर आधारित मॉडल यहाँ स्थापित किए गए हैं।

जिज्ञासा, तार्किक सोच और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

यह साइंस पार्क शैक्षणिक भ्रमण और अध्ययन यात्राओं के लिए बेहद उपयोगी होगा। यहां विज्ञान की जटिल अवधारणाएं सरल और मनोरंजक ढंग से समझ में आएंगी। इससे छात्रों में जिज्ञासा, तार्किक सोच और नवाचार की भावना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह पार्क धमतरी जिले के पर्यटन को भी नई पहचान देगा। बरूवा गार्डन स्थित साइंस पार्क धमतरी जिले के लिए ज्ञान, मनोरंजन और पर्यटन का केंद्र बनने जा रहा है। कलेक्टर धमतरी ने बताया कि विज्ञान को सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत करने की यह पहल न केवल बच्चों को प्रेरित करेगी, बल्कि जिले को शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।

लखपति दीदी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं गांव की महिलाएं

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर खेती के नए तौर-तरीके सीख रही हैं। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा विकासखंड के छोटे से गांव विशेषरा की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। जहां पहले ये महिलाएं सिर्फ घर के कार्यों तक सीमित थीं, वहीं अब वे सब्जी बाड़ी के जरिये आर्थिक रूप से सक्षम बन कर लखपति दीदी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। गंगा महिला स्व-सहायता समूह ने पारंपरिक धान की खेती से हटकर सब्जी उत्पादन का रास्ता चुना और समूह की सदस्य गायत्री वाकरे ने जानकारी दी कि शुरुआत में महिलाओं ने छोटे पैमाने पर सब्जी की खेती शुरू की थी, लेकिन आज वे करीब 2 एकड़ भूमि में सब्जियों की खेती कर रही हैं। समूह की महिला गायत्री वाकरे ने बताया कि महिलाएं ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर मौसम आधारित सब्जियों का उत्पादन कर रही हैं। वर्तमान में वे बरबट्टी, मटर और लौकी की खेती कर रही हैं, जिन्हें पहले स्थानीय बाजार में बेचा जाता था, लेकिन अब वे पेंड्रा सब्जी मंडी तक अपने उत्पाद पहुँचा रही हैं। महिलाओं ने बताया कि बिहान से जुड़ने के बाद उन्हें न सिर्फ खेती के तकनीकी ज्ञान मिला, बल्कि बैंक से ऋण लेना, कृषि योजना बनाना, विपणन और परिवहन प्रबंधन जैसे आवश्यक पहलुओं की भी जानकारी मिली। इस कार्य ने उन्हें आत्मविश्वासी बनाया है और वे अब अपने परिवार की आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। समूह की सभी महिलाओं को महतारी वंदन योजना का भी लाभ मिल रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक स्थिरता मिली है और वे अपने कार्य को और बेहतर तरीके से कर पा रही हैं। महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों को प्रेरणादायक बताया।

चोर बोले: चुपचाप खड़े रहना हम आपको कुछ नहीं करेंगे

दो मकानों को बनाया निशाना; मोबाइल लेकर बंधक बनाकर की चोरी

रतलाम, एजेंसी। जिले के नामली थाना क्षेत्र के कांडरवासा गांव में शनिवार रात चोरों ने दो मकानों को निशाना बनाया। श्यामलाल गंगाराम गोयल के घर में घुसे चोरों ने पहले परिवार के सदस्यों को मोबाइल लेकर अलग-अलग कमरों में बंद किया। वारदात के बाद मोबाइल लौटाते हुए कहा कि किसी को बताना मत, हम नीचे खड़े हैं।

चोरी की घटना रात 3 से 4.30 बजे के बीच हुई। चोर पीछे खेत के रास्ते से सीढ़ी लगाकर घर की छत पर चढ़े और फिर घर में घुसे। सबसे पहले बच्चों को बंधक बनाया, फिर श्यामलाल और उनकी पत्नी को धमकाकर बंद कर दिया।

चोरों ने घर के ताले तोड़कर अलमारी और लोहे की पेटियों से जेवर और नकदी चुरा ली। चोरी गए सामान में सोने के टॉप्स, चांदी की पायल और करीब 65 हजार रुपए नकद शामिल है।

25 से 26 साल की उम्र: श्यामलाल ने नामली थाने में चोरी का आवेदन दिया है। बताया कि मै व पत्नी दोनों घर पर सो रहे थे। तभी घर के पीछेकी तरफ से आवाज आई। हम दोनों ने उठकर पीछे की तरफ गए। देखा की मेरे मकान के ऊपर टावर का दरवाजा टूटा है। तभी 5 लोग दिखाए दिए।

सभी की उम्र करीब 25 से 26 साल की होगी। मुझे व मेरी पत्नी को उनमें से एक लड़के ने बोला की आंटी जी एक तरफ खड़े हो जाओ चिल्लाओ मत हम आपको कुछ नहीं कहेंगे। हमे हमारा काम करने दो।

उसके बाद घर पर रखी पलंग पेटी व एक छोटी अलमारी, तीन लोहे की पेटियों को उठाकर वह घर की छत पर ले गए। सभी सामान को तोडफ़ोड़ कर, अलमारी में रखी मेरी मां के कान के सोने के टॉप्स व बेटी के टॉप्स व उसकी पाएजब चांदी की जिसकी कीमत व वजन का वर्तमान में अंदाजा नहीं है। घर खर्च के लिए रखे करीब 65 हजार रुपए आदि सामान चुराकर ले गए।

दूसरी घटना 100 मीटर दूर: चोरी की दूसरी घटना 100 मीटर दूर उमेंद्रराम चंद्रावत के मकान में हुई। यहां उमेंद्रराम चंद्रावत के बेटे अनिल रविवार सुबह उठे तो उन्हें अपने घर के दरवाजे खुले दिखे। दो कमरों में घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त दिखा। चोर इनके यहां से सोने की अंगूठी व अन्य सामान चोरी कर ले गए है।

समय पर नहीं पहुंची 112 डायल: श्यामलाल के भाई दिनेश ने बताया कि चोरी होने के बाद रात में चोरों ने वापस मोबाइल देकर चले गए। कहां किसी तो बताना मत हम यहीं बाहर खड़े हैं। इसके कुछ देर बाद भैया ने मुझे जानकारी दी। रात में करीब 4 बजकर 11 मिनट पर डायल 112 को कॉल किया। उन्हें बताया कि थाने से 5 किमी दूर गांव में चोरी की घटना हुई।

वहां से कहा गया कि गाड़ी रवाना कर दी है। लेकिन सुबह तक नहीं आई। इस बीच हमने डायल 112 पर भी कॉल किया। उस पर भी कहा कि आपकी शिकायत पूर्व से दर्ज है। गाड़ी निकल गई है। सुबह 8 बजे तक कोई नहीं आया। इसके बाद गांव के सरपंच संजय पांचाल समेत ग्रामीण नामली थाने पर पहुंच सूचना दी। ग्रामीणों द्वारा थाने जाकर चोरी की सूचना के बाद नामली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास क्षेत्रों में सर्चिंग की। लेकिन चोरों को कोई पता नहीं चला।

एएसपी गांव पहुंचे: बंधक बनाकर चोरी की सूचना पर दोपहर 12 बजे एएसपी राकेश खाखा भी गांव में पहुंचे। जहां चोरी हुई है उन घरों को देखा। ग्रामीणों से बातचीत की। एएसपी ने बताया बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है।

चार टीम बनाई- एसपी: एसपी अमित कुमार ने दैनिक भास्कर को बताया कि चोरों की तलाश के लिए चार टीम बनाई है। मौके पर डॉग स्क्वाड व फॉरेंसिक टीम के साथ पुलिस अधिकारियों को भेजा है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। डायल 112 समय पर क्यों नहीं पहुंची, इसकी जांच की जा रही है। बदमाशों को जल्द पकड़ लेंगे।

नए पुलिस कप्तान ने थानों की नब्ज टटोली :थानों के अपराधों की समीक्षा; बोले- गुंडे, बदमाशों के भय से जनता को मुक्त करेंगे

नर्मदापुरम, एजेंसी। नए एसपी (कप्तान) साई कृष्णा थोटा ने पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार शनिवार को जिले की कानून-व्यवस्था का गहराई से निरीक्षण किया। उन्होंने नर्मदापुरम के कोतवाली थाना, देहात थाना, यातायात, इटारसी, पथरौटा और केसला में पहुंचकर अपराध नियंत्रण व जनसुविधाओं की समीक्षा की।

एसपी साई कृष्णा ने थानों में उपलब्ध अभिलेखों, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति व जनता के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और न्यायसंगत समाधान किया जाए। पुलिसिंग में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और तत्परता आवश्यक है ताकि जनता का भरोसा मजबूत हो।

एसपी साई कृष्णा थोटा ने यह भी कहा कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय और सतर्कता जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित समीक्षा और रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के साथ थाना परिसर की साफ-सफाई, रिकॉर्ड के व्यवस्थित रखे तथा अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। एसपी थोटा ने नर्मदापुरम जिले के 6 थानों का पहली दौरा किया है। थाना क्षेत्रों में किस तरह के अपराध अधिक होते हैं, आपराधिक गतिविधियों की स्थिति भी देखी गई। जिले में कानून व्यवस्था बनाकर रखना, अपराधी, गुंडे बदमाशों के भय से आम जनता को मुक्त करना प्राथमिकता रहेगी।

रेलवे फाटक तोड़ते हुए सागर बीना ट्रैक पर घुसा ट्रक

जरुआखेड़ा रेलवे फाटक पर हुआ हादसा, ढाई घंटे बंद रहा रेल यातायात

सागर, एजेंसी। रविवार सुबह सागर-बीना रेलवे ट्रैक के जरुआखेड़ा रेलवे फाटक पर सीमेंट से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर फाटक तोड़ते हुए रेलवे ट्रैक पर जा फंसा। ट्रक दूसरी और तीसरी लाइन के बीच अटक गया। रेलकर्मियों ने तुरंत ट्रेनों का आवागमन रोक दिया। इस दौरान करीब ढाई घंटे तक ट्रेनें रुकी रहीं।

घटना की जानकारी मिलते ही रेल अधिकारी, आरपीएफ और जिला पुलिस बल मौके पर पहुंचे। ट्रक को हटाने के लिए दो जेसीबी और एक क्रेन की मदद ली गई। सीमेंट भरी बोरियां खाली कराने के बाद ट्रक को ट्रैक से हटाया गया।

दुर्घटना के कारण दमोह-भोपाल राज्यरानी एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी का संचालन प्रभावित हुआ। सुबह 9 बजे के करीब ट्रैक से ट्रक हटने के बाद यातायात बहाल हो सका।

ट्रक ड्राइवर पर मामला दर्ज, ट्रक जब्त: मामले में आरपीएफ ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। ट्रक को जब्त किया गया है।

ब्रिज निर्माण में देरी से रेलवे ट्रैक पर बढ़ा खतरा: जरुआखेड़ा के रेलवे फाटक नंबर 11 के पास ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य लेट है, जिससे भारी वाहन रेलवे ट्रैक के रास्ते आ-जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि ब्रिज समय पर बने, तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है।

गांजे का परिवहन करते एक गिर तार

बेड़िया, एजेंसी। अवैध गांजे का परिवहन करते पुलिस ने सनावद के एक युवक को पकड़ा। इसके पास से 72 हजार रुपए मूल्य का 2 किलो 400 ग्राम गांजा जब्त किया गया। टीआई धर्मेंद्र यादव ने बताया मुखबीर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति पुरानी मिर्च मंडी के पास थैली में गांजा लेकर खड़ा है।

वह गांजा कहीं ले जाने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर सुलभ (22) पिता लोकेंद्रसिंह सोलंकी निवासी बाहेती कालोनी सनावद को पकड़ा। थैली को चेक करने पर गांजा मिला। वैध दस्तावेज व लाइसेंस नहीं होने पर आरोपी को गिरफ्तार कर गांजा जब्त किया।

एसडीओपी अर्चना रावत व टीआई धर्मेंद्र यादव के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में एसआई हरिप्रसाद पाल, एएसआई मेहबूब खान, पूनमचंद पंवार, प्रधान आरक्षक समीर शेख, राजेंद्र चौहान, महिपाल, अखिलेश चौहान, राजीवसिंह गुर्जर, आरक्षक देवीसिंह चौहान, रेशा भास्कर आदि की भूमिका रही।

बीमारी से एक परिवार के 4 लोगों की मौत, मरने वालों में 18 महीने का बच्चा भी शामिल

मंडला, एजेंसी। उल्टी-दस्त से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। तीन की मौत दो दिन में हुई है। मरने वालों में 18 महीने का बच्चा भी शामिल है। बताया जाता है कि सभी को डायरिया हुआ था। परिवार में अन्य लोगों की हालत भी खराब है। घटना घुघरी तहसील के लाफन ग्राम पंचायत के सिमरिया गांव की है। मृतकों में मुन्ना केराम (48), नरवदिया केराम (68), देवीसिंह केराम (44) और 18 महीने का आदित्य (अमरसिंह केराम का पुत्र) शामिल हैं। सबसे पहले तीन दिन पूर्व आदित्य शामिल हैं। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम भी जांच के लिए गांव पहुंची है। परिवार और गांव के अन्य लोगों की जांच की जा रही है। फिलहाल यह सामने नहीं आया है कि डायरिया किस कारण फैला है। मौके पर बीएमओ डॉ. नीरज राज, एसडीएम हुनेन्द्र घोरमारे, पीएचई एसडीओ जोशी मौजूद हैं।

एक की मौत आज हुई थी: देवीसिंह की बेटी राजेश्वरी ने बताया कि 8 सितंबर को रिश्ते के छोटे भाई और 18 महीने की दोपहर 3 बजे आदित्य को उल्टी-दस्त हुए। शाम 5 बजे अचानक झटके आए और मौत हो गई। उस वक्त की मां खेत पर थी। इसके बाद 13 सितंबर को मेरे बड़े पापा मुन्ना केराम और दादी नरबदिया केराम को उल्टी दस्त हुए। दोनों को निजी अस्पताल में दिखाया, लेकिन असर नहीं हुआ। इसी दिन दोनों ने दम तोड़ दिया। इस दौरान पिता देवीसिंह केराम को भी उल्टी दस्त होने लगे। उन्हें बिछिया में भर्ती कराया गया था। रविवार यानी 14 सितंबर को उनकी मौत हो गई।

दूषित पानी हो सकता है कारण: बीएमओ

डॉक्टर नीरज राज का कहना है कि घर में मौजूद मरीजों के सैंपल लेकर जांच के लिए मंडला भेजेंगे हैं। परिवार की रमकी बाई को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जांच के बाद ही कारण सामने आएगा। गांव के लोग कुएं का पानी पीते हैं। दूषित पानी भी कारण हो सकता है। एक हफ्ते तक टीम गांव में रहकर सर्वे करेगी।

विधायक नारायण सिंह पट्टा भी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि खुले क्षेत्र का पानी पीना पड़ रहा है। शुद्ध पेयजल नहीं मिलने से संक्रमण हो रहा है। अस्पताल में भी स्टॉफ डॉक्टर नहीं है।

गांव के लोगों में दहशत: गांव में कई लोग उल्टी-दस्त से पीड़ित हैं। मृतकों के परिवार और गांव के लोगों में डर का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव में तुरंत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही, डायरिया को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

खाद घोटाले में सिर्फ दो पर केस दर्ज: अफसर-ट्रांसपोर्टर पर नहीं हुई कार्रवाई:आरोपी कर्मचारी दो दिन की रिमांड पर

खंडवा, एजेंसी। सामने आए खाद घोटाले में पुलिस ने सिर्फ दो लोगों पर केस दर्ज किया है। एफआईआर जिला सहकारी बैंक के आउटसोर्स कर्मचारी जीवन वर्मा और त्रिमूर्ति ट्रांसपोर्ट कंपनी के मुनीम राजेश उर्फ राजू मंडलोई पर हुई है। दोनों को कोर्ट में पेश कर दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस घोटाले में करीब 3 हजार बोरी यूरिया की हेराफेरी हुई। जांच के आधार पर डीएमओ श्वेता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

अफसरों की भूमिका संदिग्ध: इस घोटाले में अफसरों की संलिप्तता भी संदिग्ध मानी जा रही है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि अफसरों पर कार्रवाई का अधिकार भोपाल संचालनालय का है। इसलिए सहकारिता और विपणन संघ के

प्रमुख सचिव को मामले की जानकारी दी गई है और पत्राचार भी भेजा गया है।

जांच अब भोपाल से होगी: कलेक्टर के अनुसार, अफसरों पर जांच की कार्रवाई भोपाल से ही होगी। वहीं सहकारिता विभाग की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भी खाद घोटाले का मुद्दा उठाया गया।

ट्रांसपोर्टरों ने निभाई बड़ी भूमिका: खाद सीधा रैक से व्यापारियों के गोदामों तक पहुंचाया गया। खुलासा होने के बाद इंदौर से खाद खरीदकर सोसायटियों में भेज दिया गया।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई: 800 वाहनों के चालान, 3.05 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले में पुलिस ने यातायात नियमों का पालन करवाने के लिए विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया है। इस दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव पर भी सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक जिले में शराब पीकर गाड़ी चलाने के 4 चालान बनाए गए हैं।

आठ सौ चालान बनाकर वसूले तील लाख 5 हजार

पुलिस ने बताया कि सिर्फ एक दिन में जिलेभर में 800 चालान बनाए गए। इन चालानों से 3 लाख 5 हजार 400 रुपए जुर्माना वसूला गया। सबसे ज्यादा मामले बिना हेलमेट चलने वालों के रहे। ऐसे 569 लोगों पर कार्रवाई कर 1 लाख 71 हजार 600 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

सीट बेल्ट और रॉन्ग साइड पर भी बनाया चालान

इसी तरह 109 लोगों के खिलाफ बिना सीट बेल्ट लगाए गाड़ी चलाने पर चालान बनाया गया। इनमें से 54 हजार 500 रुपए जुर्माना वसूला गया। वहीं 77 लोग गलत दिशा (रॉन्ग साइड) से गाड़ी चलाते पकड़े गए, जिन पर 38 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा अन्य उल्लंघनों पर भी कार्रवाई की गई।

यातायात प्रभारी लता मालवीय ने बताया कि यह अभियान 22 सितंबर तक जिलेभर में लगातार चलेगा। अभियान का उद्देश्य लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना और सड़क हादसों पर नियंत्रण पाना है।

छतरपुर के मारगुवां स्कूल में सोता मिला शिक्षक

लास में बेंच पर सो रहे शिक्षक का वीडियो वायरल, जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच के आदेश दिए

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मोरवा के मारगुवां गांव के माध्यमिक स्कूल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में शिक्षक जगराम प्रजापति क्लास रूम में बच्चों की बेंच पर सोते हुए दिख रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना शनिवार दोपहर 3 बजे की है। लंच के बाद जब बच्चे क्लास में नहीं आए, तो शिक्षक सो गए। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर शिक्षक का वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। ग्रामीणों ने चिंता जताई कि इस तरह के व्यवहार से बच्चों के भविष्य पर असर पड़ेगा।

जिले में तीसरी घटना: यह जिले में इस तरह की तीसरी घटना है। इससे पहले 1 अगस्त को कांटी गांव के

प्राथमिक स्कूल में एक शिक्षक को सोते हुए पाया गया था। उन्हें निलंबित कर दिया गया। इसी तरह मवई घाट स्कूल में भी एक शिक्षक मनोज कुमार पाल को सोते हुए पाया गया था। जांच के बाद 9 अगस्त को उन्हें भी निलंबित कर दिया गया।अब मारगुवां गांव के माध्यमिक स्कूल से टीचर के क्लास में सोने का वीडियो आया है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी अरुण शंकर पांडे ने जानकारी देते हुए कहा कि सोमवार को संबंधित शिक्षक को नोटिस जारी किया जाएगा। उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में जब शिक्षक से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया बाद में फोन बंद कर लिया।

बैतूल में मजदूर की संदिग्ध मौत :नशे में छत पर गया था, नीचे मिली लाश, पुलिस ने जांच शुरू की

बैतूल,एजेंसी। गंज थाना क्षेत्र के मांझी नगर में शनिवार को एक मजदूर की छत से गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 45 वर्षीय मनोज पिता जीवन सिहार के रूप में हुई है। मनोज निर्माण स्थलों पर सेंटरिंग का काम करता था।घटना के समय मनोज का बेटा काम पर गया हुआ था, जबकि घर पर उसकी दो बहनें मौजूद थीं। पुलिस और परिजनों के अनुसार, शाम को मनोज ने शराब पी थी और इसके बाद छत पर गया। वहां से वह कैसे गिरा, इसका पता नहीं चल पाया।

पुलिस ने जांच शुरू की: गंभीर हालत में मनोज को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने इस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है। मर्ग डायरी गंज पुलिस को भेजी जा रही है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है कि यह हादसा था या किसी और कारण से मौत हुई है।

मजदूर को मिला 25 लाख का टर्नओवर नोटिस

दिहाड़ी मजदूर की राशन पर्ची भी निरस्त, परिवार के भरण-पोषण की चिंता

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले के श्यामपुर तहसील के खाईखेड़ा गांव में रहने वाले दिहाड़ी मजदूर राकेश सिसौदिया को विभाग की ओर से 25 लाख रुपए के टर्नओवर का नोटिस जारी किया गया है। यह मामला पूरे गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है।

राकेश रोज मजदूरी करके अपने तीन छोटे बच्चों का पालन-पोषण करता है। उसके पास न तो कोई कारोबार है और न ही जमीन-जायदाद जैसी संपत्ति। परिवार का गुजारा सिर्फ राशन पर्ची से मिलने वाले राशन पर ही चलता है। नोटिस के साथ विभाग ने उनकी राशन पर्ची भी निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया।

प्रशासन से लगाई जांच की गुहार

इस घटना से मजदूर बेहद परेशान है। राकेश का कहना है कि वह न तो कभी इतनी बड़ी रकम कमा सकता है और न ही इतने बड़े कर का भुगतान कर सकता है।

उसने प्रशासन और सरकार से इस पूरे मामले की जांच की मांग की है।गांव के लोगों

का कहना है कि विभाग की लापरवाही के कारण एक गरीब परिवार को बेवजह परेशान किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मजदूर जैसे कमजोर वर्ग को झूठे मामले में फंसाकर उसके हक पर चोट की जा रही है।

मजदूर ने इस मामले की जानकारी पुलिस को भी दी है। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन इसकी गंभीरता से जांच करेगा और परिवार को राहत दिलाई जाएगी।

सोशल मीडिया पर सौरव गांगुली के एथनिक लुक ने लगाई आग

शांत नहीं हो पा रहे प्रशंसक!

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट की सफेद जर्सी को छोड़िए, क्योंकि फैशन में सौरव गांगुली ने एक बिल्कुल नई पारी शुरू की है। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान, जिन्हें प्यार से दादा कहा जाता है, एक शाही एथनिक लुक में नजर आने के बाद वायरल हो गए हैं, जिसके बाद फैंस उन्हें %पिच और स्टाइल का बादशाह% कहने लगे हैं।

इस ट्रेंडिंग फोटोशूट में गांगुली ने अपने बोर्डरूम ब्लेजर की जगह बारीक डिजाइन वाले धोती-कुर्ते पहने, और सच कहूं तो उन्होंने कमाल कर दिया। बारीक कढ़ाई से लेकर सहज स्वैग तक, कोलकाता के राजकुमार हर तरह से त्योहारों के मौसम के शोस्टॉपर लग रहे थे।

सोशल मीडिया पर बिना समय गंवाए तारीफों की बौछार हो गई, मीम्स प्रशंसकों के एडिट में बदल गए और टाइमलाइन गांगुली के सदाबहार आकर्षण का जश्न मनाने वाले पोस्ट से भर गई। एक प्रशंसक ने खुशी से कहा, ÷यह आदमी मैच और दिल दोनों ही बराबर जीत सकता है,÷ जबकि दूसरे ने उन्हें %बेहतरीन स्टाइल दादा% का खिताब दिया।

बेशक, बड़ा सवाल यह है कि क्या हो रहा है? त्योहारों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में कई लोग अनुमान लगा रहे हैं कि यह शूट किसी ब्रांड अभियान या किसी खास सहयोग से जुड़ा हो सकता है। आधिकारिक घोषणा अभी गुप्त है, लेकिन चर्चा बढ़ती ही जा रही है।

एक बात तो तय है कि गांगुली खुद को नए सिरे से गढ़ना जानते हैं। लॉर्ड्स में अपनी जर्सी लहराने से लेकर धोती पहनकर देसी अंदाज को नई परिभाषा देने तक, दादा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि दिग्गज कभी भी फैशन से बाहर नहीं होते।

गांगुली को भारत के सबसे प्रभावशाली क्रिकेट कप्तानों में से एक माना जाता है। 2000 से 2005 के बीच राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करते हुए उन्होंने अपने आक्रामक नेतृत्व से भारतीय क्रिकेट को बदल दिया और कई भावी सितारों की नींव रखी। उनकी कप्तानी में भारत 2003 के आईसीसी विश्व कप के फाइनल में पहुंचा और विदेशों में यादगार टेस्ट जीत हासिल की।

2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली प्रशासन में सक्रिय रहे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष बने। मैदान के अंदर और बाहर अपने करिश्मे के लिए जाने जाने वाले, उन्हें खेल से परे एक सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

जब खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते तो भारत-पाकिस्तान में क्रिकेट कैसे: पवन खेड़ा

नई दिल्ली,एजेंसी । एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को मैच खेला जाएगा। इसको लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि जब खून और पानी साथ नहीं बह सकते तो एशिया कप में भारत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच कैसे खेल सकता है। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के संपादकीय में भारत-पाकिस्तान मैच को राष्ट्रद्रोह करार दिया गया। संपादकीय में कहा गया कि पाकिस्तान से क्रिकेट खेलना राष्ट्र विरोधी और करोड़ों हिंदुओं का अपमान है। जब इस पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा से प्रतिक्रिया जाननी चाही तो उन्होंने इसे सही बताते हुए कहा कि इसमें गलत क्या है, बिल्कुल सही है।

आईएएनएस से बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा कि संपादकीय में बिल्कुल ठीक बात लिखी है। इसमें गलत क्या हैं। उन्होंने कहा कि मैच के पीछे जो लोग हैं, उनसे सवाल किया जाना चाहिए। जब हम उनके खिलाफ क्रिकेट मैच खेलेंगे तो क्या हम पहलगाम, पुलवामा जैसी आतंकी घटना को भुला देंगे। पीएम मोदी के मणिपुर दौरे को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि ढाई साल से वहां हिंसा चल रही है, हम सभी वहां होकर आए हैं, पीएम मोदी को जाने के लिए बार-बार कहते थे, आज पता चला है कि पीएम मोदी वहां गए हैं। सड़कों पर बड़े-बड़े बैनर लगाए गए हैं।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत को स्वर्ण, जैस्मिन लैम्बोरिया का गोल्डन पंच

नई दिल्ली, एजेंसी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (57 भारवर्ग) ने भारत को स्वर्णिम सफलता दिलाई है। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की बेटी का दबदबा देखा गया। फाइनल में पोलैंड की जूलिया को मात देकर उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया था।

12 साल में पहली बार पुरुष वर्ग में झोली खाली

पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा। जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के दस सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा। ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने 3 कांस्य जीते थे।

इसे कहते हैं किस्मत!

बिना कुछ किए बॉलर को मिल गया विकेट, क्रिकेट में ऐसा अजब-गजब देखा क्या?

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी कुछ ऐसा हो जाता है कि उस पर यकीन कर पाना मुश्किल होता है। ऐसा ही कुछ महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग मे ट्रिनबैगो नाइटराइडर्स और गुयाना अमेजन वारियर्स के बीच खेले गए मैच में हुआ। इस मैच में गुयाना की गेंदबाज मोली पेनफोल्ड को हिटविकेट के रूप में CPL करियर का पहला विकेट मिला। ये काफी हैरान करने वाला है। मोली को ये विकेट बल्लेबाज की गलती के कारण मिला।

दरअसल पारी का तीसरा ओवर करने आई मोली ने जेनिलिया ग्लासगो को एक तेज तर्रार गेंद डाला। जेनिलिया ने शॉट पिक करने की कोशिश की, लेकिन गेंद और बैट का कोई संपर्क नहीं हो पाया। इस दौरान उन्होंने बैट पर से अपना कंट्रोल खोल दिया।

पाकिस्तानी कोच हेसन ने नवाज को वर्ल्ड बेस्ट स्पिनर बताया

भारतीय कोच का तंज- अपने खिलाड़ी को जहां चाहें, वहां रैंक करें

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के हेड कोच माइक हेसन ने बड़ा बयान दिया। हेसन ने अपनी टीम के स्पिनर मोहम्मद नवाज को दुनिया का बेस्ट स्पिनर करार दे दिया। हालांकि नवाज इस समय टी-20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं।

अब इस पर भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे का रिएक्शन आया है। डेशकाटे ने हेसन पर तंज कसते हुए कहा, हर किसी को अपने खिलाड़ियों को जहां चाहे रैंक करने का अधिकार है। माइक हेसन का दावा 11 सितंबर को माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है हमारी टीम की खूबसूरती यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं। हमारे पास मोहम्मद नवाज हैं, जो इस समय दुनिया के बेस्ट स्पिन बॉलर हैं, और पिछले छह महीनों से टीम में वापसी के बाद वह इसी तरह रैंक किए गए हैं। भारत के कोच का संतुलित जवाब 13 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे से भी हेसन के इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। अगर कुछ है तो मुझे नहीं लगता कि विकेट ने उतना ग्रिप किया है जितना हमने सोचा था, और निश्चित रूप से उतना नहीं जितना इस साल की शुरुआत में किया था। लेकिन टी-20 क्रिकेट में स्पिन बहुत अहम

हो गया है और दोनों टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। हमें पता है कि वरुण, अक्षर और कुलदीप के बारे में हम कैसा महसूस करते हैं, इसलिए हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और वे अपने खिलाड़ियों को जहां चाहें वहां रैंक कर सकते हैं।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से बाहर, अधिक वजन से छिना मौका

जाग्रेब, एजेंसी। पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किलो वर्ग के मुकाबले से पहले हुए वजन जांच में अमन का वजन 1.7 किलो अधिक पाया गया। इस वजह से उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। भारत की कुश्ती टीम को बड़ा झटका लगा है। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को रविवार को जाग्रेब (क्रोएशिया) में चल रही वर्ल्ड चैंपियनशिप से अयोग्य करार दिया गया।इसका कारण तो और भी चौंकाने वाला है। उनका वजन तय सीमा से ज्यादा पाया गया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

1.7 किलो अधिक वजन निकला

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाले अमन का वजन पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में प्रतियोगिता से पहले हुए वजन मापन (वेट-इन) में 1.7 किलो ज्यादा पाया गया। भारतीय दल के एक सदस्य ने बताया, च्यह दुर्भाग्यपूर्ण और चौंकाने वाला है कि अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं कर पाए। जब उन्होंने वेटिंग स्केल पर खड़ा होकर वजन कराया, तो वे 1700 ग्राम अधिक पाए गए। यह वास्तव में स्वीकार्य नहीं है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल, रविचंद्रन स्मरण का अर्धशतक, साउथ जोन का स्कोर 150 पार

तीन विकेट भी गिरे; सेंट्रल जोन अब भी 184 रन आगे

दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच खेला जा रहा है। रविवार को मुकाबले का चौथा दिन है। साउथ जोन ने आज अपने 129/2 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। रविचंद्रन स्मरण अर्धशतक लगाकर नाबाद हैं। शनिवार को तीसरे दिन स्टंप्स तक साउथ जोन ने दूसरी पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 129 रन बनाए थे। मैच के तीसरे दिन सेंट्रल जोन ने अपने 384/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम पहली पारी में 511 रन पर ऑलआउट हो गई। साउथ जोन ने पहली पारी में 149 रन बनाए थे। इस तरह सेंट्रल जोन को पहली पारी के आधार पर 362 रन की बढ़त मिली। यश राठौड़ (194) और कप्तान रजत पाटीदार (101) ने शतक लगाया। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर पहले दिन गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। पहली पारी की तरह साउथ जोन की दूसरी पारी की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। टीम को पहला झटका 62 रन के स्कोर पर लगा। ओपनर मोहित काले 38 रन बनाकर आउट हुए। दूसरा विकेट 76 रन के स्कोर पर गिरा। तन्मय अग्रवाल 26 रन पर पवेलियन लौट गए। सेंट्रल जोन की तरफ से सारांश जैन और कुलदीप सेन को 1-1 विकेट मिला। सेंट्रल जोन की ओर से यश राठौड़ ने 194 और कप्तान रजत पाटीदार ने 101 रन की पारी खेली। उनके अलावा, दानिश मालेवार 53, ओपनर अक्षय वाडकर 22, शुभम शर्मा 6 और उपेंद्र यादव 5 रन बनाकर आउट हुए।

डेविस कप - भारत ने विश्व ग्रुप 1 में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

बिएल, एजेंसी। भारत ने शनिवार को स्विस टेनिस एरीना में विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर डेविस कप में इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने 1993 के बाद पहली बार यूरोप में किसी यूरोपीय देश पर जीत दर्ज की। शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार को स्विट्जरलैंड के बिएल स्थित स्विस टेनिस एरीना में हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हराकर विश्व ग्रुप 1 चरण में भारत की जीत सुनिश्चित की। इसके साथ ही, मौजूदा भारतीय टीम ने लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन की टीम के उस प्रदर्शन को दोहराया, जिसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 3-2 से हराया था। भारत अब विश्व ग्रुप क्वालीफायर में पहुंच गया है, लेकिन इस परिणाम के साथ स्विट्जरलैंड डेविस कप 2026 विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ में पहुंच गया है। भारतीय टीम ने एक और इतिहास रच दिया क्योंकि 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से वह विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत हासिल नहीं कर पाई है।

भारत तीन मौकों 1966, 1974 और 1987 में उपविजेता रहा है। दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुक्रवार को शुरुआती मैच में उच्च रैंकिंग वाले जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर शानदार शुरुआत की। नागल ने मेहमान टीम के लिए एक प्रभावशाली दिन का समापन किया क्योंकि उन्होंने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, मेजबान टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की। ??जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को कड़े मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए, उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और स्कोर 1-2 कर दिया।

भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट के 10वें गेम में सर्विस टूटने के बाद वे अगला सेट हार गए। तीसरे सेट में एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक बोलिपल्ली ने तीसरे गेम में स्विस जोड़ी की सर्विस तोड़ी, लेकिन छठे और 12वें गेम में सर्विस गंवाकर दो घंटे 21 मिनट में हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में पूरी तरह से वापसी करने की उनकी उम्मीदें नागल और हेनरी बर्नेट के बीच एकल मैच पर निर्भर थीं और भारतीय खिलाड़ी ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए। सुमित नागल ने 18 वर्षीय स्विस टेनिस खिलाड़ी को आसानी से हरा दिया। पहले सेट में तीन बार और दूसरे सेट में एक बार उनकी सर्विस तोड़कर मैच 6-1, 6-3 से जीत लिया और मुकाबला भारत के पक्ष में कर दिया। विश्व ग्रुप 1 मुकाबलों में जीतने वाली 13 टीमें 2026 डेविस कप क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा करेंगी। हारने वाली टीमें 2026 विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

एशिया कप - श्रीलंका ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया

32 गेंद पहले जीता मुकाबला

अबू धाबी, एजेंसी । एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के एक अहम मुकाबले में श्रीलंका ने बांग्लादेश को हरा दिया है। श्रीलंका को जीत के लिए 140 रन का लक्ष्य मिला था। श्रीलंका ने 32 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

140 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 13 के स्कोर पर कुसाल मेंडिस का विकेट खो दिया। वह 3 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पाथुम निसांका और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कामिल मिशारा ने दूसरे विकेट के लिए 52 गेंद पर 95 रन की तेज साझेदारी कर मैच का पलड़ा श्रीलंका की तरफ पूरी तरह मोड़ दिया। यहां से बांग्लादेश के लिए वापसी की उम्मीद खत्म हो गई और मैच में सिर्फ औपचारिकता रह गई। निसांका 34 गेंद पर 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए।

निसांका के आउट होने के बाद श्रीलंका को कुसाल परेरा (9), दासुन शनाका (1) के रूप में दो झटके लगे, लेकिन छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान चरिथ असलांका ने 4 गेंद पर नाबाद 10 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। श्रीलंका ने 14.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 140 का लक्ष्य हासिल किया और बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। कामिल 32 गेंद पर 46 रन बनाकर नाबाद रहे।

बांग्लादेश के लिए महेदी हसन ने 2, मुस्तफिजुर रहमान और तंजिम हसन शाकिब ने 1-1 विकेट लिए।

इससे पहले, श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम को दोनों सलामी बल्लेबाज शून्य के स्कोर पर लौट गए। तीसरा झटका 11, चौथा झटका 38 और पांचवां झटका कप्तान लिटन दास के रूप में 53 के स्कोर पर लगा। लिटन दास 26 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हुए। लिटन दास का विकेट गिरने के बाद बांग्लादेश की स्थिति बेहद खराब लग रही थी, लेकिन बाद के 10.1 ओवर में श्रीलंका एक भी विकेट लेने में कामयाब नहीं हो सकी।

जाकेर अली और शमीम हुसैन ने 61 गेंद पर 86 रन की साझेदारी कर बांग्लादेश को 5 विकेट के नुकसान पर 139 तक पहुंचाया। जाकेर 34 गेंद पर 41 और शमीम 34 गेंद पर 42 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका के लिए वानिंदु हसरंगा ने 2, नुवान तुषारा और चमीरा ने 1-1 विकेट लिए।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा दिखाने उतरेंगे 100 पेरिस पैरा ओलंपिक मेडलिस्ट

नईदिल्ली,एजेंसी। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगी। इसमें 104 देशों के 2,200 से ज्यादा ऐथलीट्स 186 पदक इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा खेल आयोजन होगा। चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले, कड़ी टक्कर और यादगार प्रदर्शन देखने को मिलेंगे, क्योंकि पेरिस पैरालंपिक में 308 पदक जीतने वाले कुल 100 पदक विजेता, जिनमें 112 गोल्ड, 96 सिल्वर और 100 ब्रॉन्ज पदक विजेता शामिल हैं, सबसे भव्य पैरा एथलेटिक्स मंच पर अपनी क्षमता का परीक्षण करने के लिए वापस आएंगे। यह पहला मौका है जब भारत इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेज़बानी कर रहा है। इस बार प्रतियोगिता का कार्यक्रम भी बड़ा होगा, जिसमें कुल 186 पदक इवेंट होंगे, जो पिछली बार कोबे में हुए आयोजन से 15 अधिक हैं। इनमें 101 इवेंट पुरुषों के लिए, 84 महिलाओं के लिए और 1 मिश्रित इवेंट होगा। सबसे आगे हैं जर्मनी के मार्कस रेहम, जो पुरुषों की लंबी कूद टी64 में चार बार के पैरा ओलंपिक चैंपियन और सात बार के विश्व चैंपियन हैं। उन्हें ब्लेड जम्पर कहा जाता है। रेहम के नाम ऐसा विश्व रिकॉर्ड है, जो इस सदी के सभी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं की छलांग से भी आगे है। भारत का गर्व, सुमित अंतिल, जो दो बार के पैरा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ64 श्रेणी में मौजूदा वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियन हैं। वह एक बार फिर घरेलू दर्शकों को अपने शानदार प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं।

रीवा में भ्रष्ट पंचायत सचिवों से नहीं हुई वसूली, 2 करोड़ से अधिक की राशि अब भी अटकी

प्रभारी कलेक्टर बोले- नहीं बचेगा कोई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत रीवा और मऊगंज के भ्रष्ट सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों (जीआरएस) से शासकीय राशि की वसूली अब तक नहीं हो पाई है। करीब 2 करोड़ 11 लाख रुपए की रिकवरी होनी थी, लेकिन अब तक केवल 54 लाख रुपए की ही वसूली हो सकी है। यह वसूली भी महज 31 सचिवों से हुई है। इससे जिला पंचायत प्रशासन की कार्यप्रणाली और नीयत पर सवाल उठने लगे हैं।

विकास कार्यों का पैसा हजम, त्योंथर में सबसे ज्यादा गड़बड़ी: जिन राशियों की वसूली होनी थी, वे जनता के विकास कार्यों के लिए भेजी गई थीं। प्रशासनिक लापरवाही और जानबूझकर की जा रही देरी के चलते करीब डेढ़ करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। अकेले त्योंथर जनपद पंचायत में ही आधे से ज्यादा सचिवों और जीआरएस ने गड़बड़ी की है। आशंका जताई जा रही है कि इन घोटालों को दबाने में जिला पंचायत के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत हो सकती है, क्योंकि कई ऐसे आरोपी सचिवों को फिर से वित्तीय अधिकार दे दिए गए हैं।

कानूनी आदेशों का पालन भी नहीं कर रहा प्रशासन: सूत्रों के मुताबिक, पंचायती राज अधिनियम की धारा 40 और 92 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन पर भी अब तक अमल नहीं हुआ है। जिन कर्मचारियों को दोषी ठहराया गया था, वे आज भी पंचायतों में पदस्थ हैं और योजनाओं में गड़बड़ी कर रहे हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता ने उठाए सवाल: सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी का कहना है कि जिन सचिवों और जीआरएस से वसूली होनी थी, वे अब भी पंचायतों में बैठे हैं और अपनी मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला पंचायत अधिकारी इन लोगों की रक्षा में लगे हैं, जिससे सरकारी योजनाओं का पैसा सही जगह खर्च नहीं हो पा रहा।

प्रभारी कलेक्टर बोले- कोई नहीं बचेगा: प्रभारी कलेक्टर सौरभ सोनवड़े ने कहा कि जिनसे वसूली होनी है, उनके खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ी तो सेवा से पृथक करने और एफआईआर दर्ज करने तक की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन का पैसा हड़पने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा और इस संबंध में सीईओ जिला पंचायत को निर्देश दिए जाएंगे।

बेसहारा पशुओं एवं यूरिया खाद से परेशान किसान, प्रशासन हुआ निष्क्रिय: प्रवल पाण्डेय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जवा जनपद पंचायत के संचार निर्माण समिति सभापति प्रवल पाण्डेय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि एक तरफ किसान यूरिया खाद की कमी से जूझ रहा है, तो दूसरी तरफ सड़कों में घूम रहे बेसहारा पशुओं की समस्या पर चिंता जाहिर की। उन्होंने मांग की कि शासन प्रशासन पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध कराए और लाखों रुपए की लागत से बनी गौशालाओं को चालू किया जाए।

पाण्डेय ने कहा कि इस वर्ष यूरिया खाद की कमी के चलते धान की फसल प्रभावित हो रही है। वहीं, गांव-गांव सड़कों में घूम रहे बेसहारा पशुओं के कारण सड़क दुर्घटनाओं में लोग असमय जान गंवा रहे हैं। खेतों में खड़ी फसल को आवारा पशु पल भर में चट कर जाते हैं, जिससे किसानों को दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है। शासन प्रशासन की अनदेखी पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत जवा में 3 दर्जन से ज्यादा गौशालाएं बनी हुई हैं। एक गौशाला के निर्माण में 50 लाख से ज्यादा खर्च हुआ है, फिर भी गौशालाओं का संचालन नहीं किया जा रहा है। जो गौशालाएं संचालित भी हैं, वे केवल कागजों में ही चल रही हैं।

पत्रकार शशिकांत मिश्रा के पूज्यनीय बाबा पंचतत्व में विलीन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पत्रकार शशिकांत मिश्रा के पूज्यनीय बाबा महावीर प्रसाद मिश्रा (निवासी - ग्राम सुरसा कला) का 14 को प्रातः निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

परिजनों व ग्रामवासियों के बीच शोक का माहौल व्याप्त हो गया। महावीर प्रसाद मिश्रा सरल, मिलनसार और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। सामाजिक कार्यों में उनकी सदैव सक्रिय भागीदारी रहती थी। जीवन भर उन्होंने परोपकार और सद्भाव को प्राथमिकता दी।

दिवंगत आत्मा के अंतिम संस्कार में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए।

सभी ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। उनका व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। वहीं जनप्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त करते हुए शशिकांत मिश्रा एवं उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की ईश्वर से प्रार्थना की।

मऊगंज नगर परिषद के कर्मचारियों पर पथराव, तीन लोग घायल; दो से तीन आरोपियों के खिलाफ शिकायत

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज के वार्ड नंबर 11 में रविवार दोपहर आवारा मवेशियों को गोशाला ले जा रहे नगर परिषद के कर्मचारियों पर पथराव कर दिया गया। घटना में करीब तीन कर्मचारी घायल हुए हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश पटेल ने मऊगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सीएमओ महेश पटेल के मुताबिक, कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देश पर आवारा गोवंश को वार्ड 11 स्थित राइस मिल के पीछे एक सहायता समूह द्वारा संचालित गोशाला में भेज रहे थे। इसी दौरान संजू तिवारी के घर के पास नीलेश पटेल, सूर्यभान यादव और रमेश यादव ने कर्मचारियों को रोका और उनके साथ गाली-गलौज, मारपीट और पथराव किया। इस हमले में कई कर्मचारियों को चोटें आई हैं।

शिकायत में सीएमओ ने कहा कि एक हफ्ते से नगर परिषद आवारा पशुओं को गोशाला भेजने का प्रयास कर रही है, लेकिन हर बार कुछ लोग विरोध करते हैं। कर्मचारी लकी स्वीपर ने बताया कि वे करीब 10-12 लोग मिलकर मवेशियों को ले जा रहे थे, तभी उन पर पथराव किया गया। एक पत्थर उनके कंधे पर लगा, जिससे उन्हें चोट आई। हमले के बाद कर्मचारियों को मवेशियों को वापस छोड़ना पड़ा। सीएमओ महेश पटेल ने कहा कि अब नगर परिषद आवारा मवेशियों पर टैग लगाएगी और जिन लोगों की गायें चिह्नित होंगी, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराबी युवक ने नशे में किया हंगामा, कई फल व्यापारियों के ठेले पलटाए, सड़क पर बिखर गए फल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बिछिया थाना क्षेत्र के पीटीएस चौराहे पर शनिवार देर शाम शराब के नशे में धुत एक युवक ने हंगामा कर दिया। युवक ने कई फल व्यापारियों के ठेले पलट दिए, जिससे ठेलों पर रखे फल जमीन पर बिखर गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक गालियां देता हुआ पहुंचा। जब व्यापारियों ने आपत्ति जताई तो वह मारपीट पर उतारू हो गया। इसके बाद उसने कतार से लगे छह से अधिक फल ठेलों को पलट दिया। इस घटना से बाजार में दहशत का माहौल बन गया।

आरोपी की पहचान बाकी: व्यापारी विमलेश ने कहा कि युवक अचानक विवाद करने लगा और ठेलों को पलटते चल गया। हालांकि यह युवक कौन था, इसकी पुष्टि पुलिस की गिरफ्तारी के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस ने शुरू की तलाश: घटना की सूचना मिलते ही बिछिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। व्यापारियों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी की तलाश जारी है और पकड़े जाने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है।

ग्राम पंचायत फूल में 1 माह से जला हुआ है ट्रांसफार्मर, अंधेरे में रहने को मजबूर ग्रामवासी एवं छात्राएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के बिजली विभाग बैकुण्ठपुर की निष्क्रियता का एक और मामला सामने आया है। फूल ग्राम पंचायत में एक माह पूर्व ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण ग्रामीण और छात्रावास की छात्राएं अंधेरे में रहने को मजबूर हैं।

ट्रांसफार्मर जल जाने के बाद से गांव में बिजली की आपूर्ति ठप हो गई है, जिससे न केवल ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हुआ है, बल्कि छात्राओं की पढ़ाई भी बाधित हो रही है। छात्रावास में रहने वाली लड़कियां अंधेरे के भय में जी रही हैं और उन्हें रात में पढ़ाई करने में कठिनाई हो रही है।

ग्रामीणों और छात्रावास के प्रधानाध्यापक ने विद्युत विभाग बैकुण्ठपुर से इस समस्या की शिकायत की, लेकिन आज तक जले हुए ट्रांसफार्मर को बदला नहीं गया है। किसानों की फसलें सिंचाई के अभाव में सूख रही हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाया जाए और बिजली बिल तथा नए कनेक्शन के लिए विभागीय शिविर फूल गांव में आयोजित किया जाए।

यदि ऐसा नहीं किया गया, तो वे मजबूरन धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। उनका कहना है कि यह उनकी मूलभूत आवश्यकता है और उन्हें इस समस्या का समाधान चाहिए।

इस प्रकार, ग्राम पंचायत फूल में ट्रांसफार्मर की समस्या ने ग्रामीणों के जीवन को प्रभावित किया है।

सड़क न होने पर छात्र-शिक्षकों ने खुद बनाया रास्ता, नदी पार कर स्कूल पहुंचते हैं बच्चे; विकास योजनाएं अधूरी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में हनुमना जनपद की ग्राम पंचायत गोपला में एक अनोखी पहल सामने आई है। शासकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल के छात्र और शिक्षक स्कूल तक पहुंचने के लिए खुद रास्ता बना रहे हैं। स्कूल तक पहुंचने के लिए बच्चों को रोजाना नदी पार करनी पड़ती है। बारिश के मौसम में स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है। कई बार पानी भरने की वजह से स्कूल को बंद भी करना पड़ता है।

4 साल पहले शुरू हुआ काम, भ्रष्टाचार के कारण अधूरा: चार साल पहले नदी पर पुल का निर्माण शुरू हुआ था। लेकिन भ्रष्टाचार के कारण यह काम अधूरा रह गया। जांच में पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया, जबकि सरपंच बच निकले। ग्राम पंचायत गोपला जिले को भारी राजस्व देती है। विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपए का बजट मिलता है। फिर भी गांव में न सड़क है, न बुनियादी सुविधाएं।

ग्रामीणों और अभिभावकों ने कई बार सरपंच से सड़क और पुल निर्माण की मांग की। सरपंच निजी भूमि का हवाला देकर टाल देते हैं। ग्रामीणों ने कई बार संबंधित विभागों और अधिकारियों से मदद मांगी। कोई समाधान नहीं मिला। अंत में छात्रों और शिक्षकों ने स्वयंसेवा का रास्ता चुना। वे मिलकर मिट्टी काटकर रास्ता बना रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्य सिर्फ कागजों तक सीमित हैं।

बच्चों और शिक्षकों की मेहनत से बनाया जा रहा रास्ता: इस घटना ने एक बार फिर सिस्टम की पोल खोल दी है। बच्चों और शिक्षकों की मेहनत से जो रास्ता बन रहा है, वह सिर्फ स्कूल तक पहुंचने का साधन नहीं बल्कि विकास की असलियत दिखाने वाली करारी चोट भी है। सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार विभाग अब भी आंख मूंदे रहेंगे, या फिर इस बार बच्चों के फावड़े ने उन्हें जगाने का काम किया है?

नए एसपी ने संभाली कमान, जिले के पुलिस अधिकारियों की ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नवागत पुलिस अधीक्षक रीवा शैलेन्द्र सिंह चौहान ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने पदभार ग्रहण करने के बाद जिले के पुलिस अधिकारियों की बैठक ली, जिसमें उन्होंने आम जनता को न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए मिलजुल कर प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को कायम रखना आवश्यक है, और समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पुलिस की सहायता सहज और पारदर्शी तरीके से पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी पुलिस आम जनता के काम आए, यही उनकी प्राथमिकता रहेगी। थाने में आने वाली हर शिकायत को सुना जाएगा।

उन्होंने अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए, खासकर उन अपराधियों पर जो बार-बार अपराध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। बैठक में अवैध और मेडिकल नशे के खिलाफ अभियान चलाने और युवाओं को खेल, संगीत और अन्य गतिविधियों में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया गया।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की निष्क्रियता के चलते किसानों को नहर से नहीं मिल रहा पानी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की मनमानी और तानाशाही से किसान परेशान हैं। एक तरफ, किसान खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बारिश बंद होने से खेतों का पानी सूख गया है, जिससे धान की फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। महिला, ऊँचाडीह, हिरदयी, ढेकहाई, महूहाटोला, निमगहना रतनी, इटौरी, परसिया सहित कई गांवों के किसानों ने शासन-प्रशासन से नहर चालू कराने की लगातार मांग की है। इसके बावजूद भी प्रशासन की आंखें नहीं खुल रही हैं।

किसानों का कहना है कि जब पानी की जरूरत नहीं थी, तब लगातार पानी छोड़ा जा रहा था, जिससे खेत में लगे रोपा गल गए। अब जब पानी की आवश्यकता है, तो नहर में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। जल संसाधन के एसडीओ अरुण खराड़े को 3 सितंबर को मैसेज और फोन के माध्यम से जानकारी दी गई थी। उन्होंने कहा था कि शाम तक नहर चालू हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कुछ दिनों बाद पुनः संपर्क करने पर बताया गया कि कुछ खराबी थी, जो अब ठीक कर दी गई है, लेकिन नहर चालू नहीं की गई।

इस प्रकार, एसडीओ द्वारा किसानों को लगातार गुमराह किया गया है। आज दिनांक तक 6 किलोमीटर की दूरी पर भी पानी नहीं पहुंचा है। किसान एक तरफ खाद की कमी और दूसरी तरफ पानी की कमी से परेशान हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। उक्त नहर का कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा मेंटेना कंपनी को दिया गया था, जिसके तहत स्थानीय लोगों को पेटी कंटेंट में काम दिया गया था। स्थानीय ठेकेदारों द्वारा विभागीय अधिकारियों के मिलीभगत से गुणवत्ताविहीन कार्य कराया गया, जो कुछ ही दिनों में खराब हो गया। इसका नतीजा यह है कि आए दिन कहीं न कहीं से नहर टूट रही है, लेकिन जल संसाधन विभाग द्वारा भ्रष्टाचार पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

सपा का प्रतिनिधिमंडल जवा पीड़ित आदिवासी किसान के घर पहुंचा, हाई कमान को भेजी जाएगी रिपोर्ट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के रीवा जिले के जवा विकासखंड अंतर्गत किसान समृद्धि केंद्र जवा में यूरिया खाद वितरण के दौरान आदिवासी किसान प्रभु दयाल को खाद के बदले प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस ने लाठियों से मारपीट कर थाने तक घसीटकर ले गई। इस घटना में किसान को गंभीर चोटें आईं थीं। समाजवादी पार्टी ने इस घटना की निंदा करते हुए मामले को गंभीरता से लिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने 20 सदस्यीय जांच प्रतिनिधिमंडल गठित किया। यह प्रतिनिधिमंडल समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और किसान नेता शिव सिंह पटेल के नेतृत्व में जवा इटौरी पीड़ित आदिवासी किसान के घर पहुंचा।

प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से सपा जिला अध्यक्ष रीवा अमरेश पटेल, जिला अध्यक्ष मऊगंज अनूप यादव, पूर्व प्रत्याशी जगदीश सिंह यादव, प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल, राजमणि यादव, अधिवक्ता सभा के अशोक यादव, युवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव राकेश कुमार, कमलाकांत यादव, लोहिया वाहिनी प्रदेश सचिव रामचंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह, मांडा सिरमौर विधानसभा अध्यक्ष रामकिशोर, और आदिवासी विधानसभा अध्यक्ष त्योंथर अनुराग मांझी शामिल रहे। मौके पर किसान नेता एसके सिंह बरौली, जिला पंचायत सदस्य सुमन विकास कोल, सरपंच प्रतिनिधि बृजेश सिंह, ज्वाला सिंह, किशन पटेल, गुड्डू, रमेश यादव, और सपा पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष जवा शिव बहादुर साहू भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित किसान के साथ-साथ ग्रामीण किसानों से भी मुलाकात की। एक माह पूर्व ग्राम रिमारी में दबंगों द्वारा फूलन देवी साकेत एवं सुखीनंद साकेत के साथ कुर्सी में बैठने को लेकर की गई गंभीर मारपीट के मामले में भी प्रतिनिधिमंडल ने उनके गांव जाकर मुलाकात की।

पीड़ित पक्ष ने बताया कि आज भी उनका परिवार दहशत में है और वे गांव में सुरक्षित नहीं रह पा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।